



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 117

प्रयागराज, सोमवार 17 अगस्त, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये



O
C
M
Y
B

ट्रम्प ने पाक-सऊदी-तुर्किये के रक्षा समझौते पर जताई खुशी,बोले- तीनों देश मजबूती से अपनी रक्षा कर सकेंगे, एक पर हमला हुआ तो मिलकर जवाब देंगे

वॉशिंगटन,इस्लामाबाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन



ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस डील से तीनों देश मिलकर अपनी रक्षा ज्यादा मजबूती से कर सकेंगे। ट्रम्प ने रविवार को दृढ़ सोशल पर लिखा, 'मुझे बहुत खुशी है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने आखिरकार मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इससे पता चलता है कि मिडिल-ईस्ट एकजुट हो रहा है और देश अब ज्यादा मजबूती से अपनी रक्षा कर सकेंगे।' ट्रम्प ने तीनों देशों के नेताओं को बधाई देते हुए डील को 'बड़ा, साहसी और अहम पहला कदम' बताया। 7 अगस्त को मक्का समझौते पर साइन हुए- इस समझौते पर 7 अगस्त को मक्का में हस्ताक्षर हुए थे। समझौते पर सऊदी क्राउन प्रिंस

और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए। एर्दोगन ने कहा है कि आगे दूसरे देश भी इस रक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने खास तौर पर मिस्र के जुड़ने की संभावना बताई है। डील का मकसद तीनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा सहयोग बढ़ाना है। यानी किसी एक देश पर हमला होने पर बाकी दोनों देश उसके साथ खड़े होंगे। एक पर हमला हुआ तो बाकी दो देश साथ देंगे-इस समझौते की सबसे बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब या तुर्किये में से किसी एक देश पर हमला हुआ तो इसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। यानी जिस देश पर हमला होगा, उसे बाकी दोनों देशों का साथ मिलेगा। कैसे मदद करेंगे तीनों देश? किसी एक देश पर हमला होने पर बाकी दोनों

देश उसके साथ खड़े होंगे। जरूरत पड़ने पर सैन्य मदद दी जा सकती है। तीनों देश एक-दूसरे के साथ सुरक्षा से जुड़ी जानकारी साझा कर सकते हैं। सेनाओं के बीच तालमेल और ट्रेनिंग बढ़ाई जा सकती है। तीनों देश मिलकर किसी बड़े खतरे का सामना करने की तैयारी कर सकते हैं। पाकिस्तान-सऊदी के सैन्य रिश्ते दशकों पुराने- पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच सैन्य सहयोग करीब 60 साल पुराना है। दोनों देशों ने 7 अगस्त 1967 को पहला औपचारिक रक्षा सहयोग समझौता किया था। इसके तहत पाकिस्तान ने सऊदी सेना को ट्रेनिंग, तकनीकी मदद और सैन्य सलाह देने की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद दोनों देशों की सेनाओं के बीच ट्रेनिंग और सैनिकों की आवाजाही बढ़ती गई। 1982 में दोनों देशों ने एक और सुरक्षा समझौता किया, जिसके तहत सऊदी अरब में पाकिस्तानी सैनिकों की तैनाती और सऊदी सैनिकों की ट्रेनिंग का रास्ता और मजबूत हुआ।

भारत की भी इस डील पर नजर-भारत ने कहा है कि वह इस समझौते के अंश की समीक्षा कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि भारत इसे अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति के नजरिए से देख रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने हितों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा।

ट्रम्प बोले- लेविट को मुझसे ज्यादा अपने बच्चे पसंद,व्हाइट हाउस में उनकी जगह लेना मुश्किल, लेविट का प्रेस सेक्रेटरी के पद से इस्तीफा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट के पद छोड़ने पर मजाक किया। उन्होंने कहा, 'मुझे पता चला है

लौटी थीं। ट्रम्प ने उनके फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद भी लेविट उनकी टीम से जुड़ी रहेंगी और बाहरी



कि कैरोलिन लेविट मुझे पसंद करने से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मैं इसे लेकर बहुत चिंतित हूं।' ट्रम्प ने साथ ही कहा कि लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा। लेविट अगस्त के आखिर में व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी की नौकरी छोड़ेंगी। उन्होंने अपने दो छोटे बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए यह फैसला लिया है। लेविट ने क्यों छोड़ी नौकरी? लेविट ने इसी हफ्ते पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार और दो छोटे बच्चों को ज्यादा समय देना चाहती हैं। उन्होंने 1 मई 2026 को अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया था। इसके बाद वह मातृत्व अवकाश पर गई थीं और 16 जुलाई को प्रेस ब्रीफिंग में वापस

सलाहकार के तौर पर काम करेंगी। ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज रिपोर्टर से पूछा- आप उनकी जगह लेंगी? लेविट के जाने के बाद अगली प्रेस सेक्रेटरी कौन होगी, इसका अभी ऐलान नहीं हुआ है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्टर एलेक्सिस मैकएडम्स ने ट्रम्प से इसी बारे में सवाल किया। ट्रम्प ने मैकएडम्स की ओर देखकर कहा, 'आप?' फिर उन्होंने पूछा, 'आप उनकी जगह क्यों नहीं लेतीं?' ट्रम्प ने मैकएडम्स की तारीफ करते हुए कहा कि वह यह काम अच्छी तरह कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वह वास्तव में उन्हें अगली प्रेस सेक्रेटरी बनाने पर विचार कर रहे हैं या यह सिर्फ मजाक था। लेविट की जगह लेना क्यों

मुश्किल होगा? लेविट करीब 20 महीने तक ट्रम्प प्रशासन का मीडिया के सामने प्रमुख चेहरा रहीं। प्रेस ब्रीफिंग में वह ट्रम्प की नीतियों और फैसलों का बचाव करती थीं और मुश्किल सवालों पर प्रशासन का पक्ष रखती थीं। उनके जाने के बाद व्हाइट हाउस को ऐसा चेहरा तलाशना होगा, जो रोजाना पत्रकारों के सवालों का जवाब दे सके और ट्रम्प प्रशासन की नीतियों को मजबूती से सामने रख सके। फिलहाल उनके उत्तराधिकारी के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। इस्तीफे को लेकर अटकलें भी सामने आई- लेविट के पद छोड़ने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनके फैसले को जुलाई में तुर्किये की राजधानी अंकारा में ट्रम्प से जुड़े एक सुरक्षा मामले से जोड़ने की कोशिश की। दक्षिण अफ्रीका में ईरानी दूतावास ने दावा किया था कि सुरक्षा खतरे के कारण ट्रम्प को एक विमान से दूसरे विमान में भेजा गया और लेविट पीछे रह गईं।

व्हाइट हाउस ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि लेविट उस विमान में थीं ही नहीं। ट्रम्प ने भी कहा था कि सुरक्षा अधिकारियों ने ईरान से जुड़े संभावित खतरे के कारण विमान बदलने की सलाह दी थी।

लेविट ने कहा है कि उनके पद छोड़ने की वजह उनका परिवार है। व्हाइट हाउस ने अभी तक उनकी जगह लेने वाले नए प्रेस सेक्रेटरी का नाम घोषित नहीं किया है।

ईरानी सेना बोली-अमेरिकी सैनिकों को मारने-पकड़ने पर रु28 लाख इनाम,महिला ने ऐसा किया तो इनाम दोगुना, मारने वाला हथियार खरीदकर म्यूजियम में रखेंगे

तेहरान। ईरानी सेना ने ऐलान किया है कि किसी अमेरिकी सैनिक को मारने या

जाएगा। पुराने हथियार को म्यूजियम में सुरक्षित रखा जाएगा।' हातमी बोले- अमेरिकी



पकड़ने वाले व्यक्ति को 30 हजार डॉलर (करीब 28 लाख रुपये) का इनाम दिया जाएगा। अगर यह काम कोई महिला करती है तो इनाम की रकम दोगुनी यानी 60 हजार डॉलर कर दी जाएगी। ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी ने तेहरान में कहा कि यह योजना कई मांगों के बाद बनाई गई है। यह उन लोगों के लिए है, जो फाइनेंशियल जिहाद के जरिए देश के युद्ध प्रयासों में आर्थिक रूप से मदद करना चाहते हैं। अमीर हातमी-ईरानी सेना कमांडर-इन-चीफ- 'अमेरिकी सैनिक को मारने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियार को उसकी कीमत से दोगुनी रकम में खरीदा जाएगा और उसकी जगह नया हथियार दिया

सेना को पीछे हटने पर मजबूर किया-हातमी ने कहा कि इस संघर्ष ने अमेरिकी के सैन्य दबदबे को कमजोर किया है। साथ ही कई देशों को अपनी सुरक्षा के लिए दूसरे विकल्प तलाशने पर मजबूर किया है। हातमी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने ईरान की हार के बाद होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का क्षेत्र घोषित करने की बात कही थी। द यरुशलम पोस्ट के मुताबिक हातमी ने दावा किया कि ईरान ने अमेरिकी सेना को प्रभावी रूप से पीछे हटने पर मजबूर किया है। अब उसे फारस की खाड़ी, ओमान सागर या होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

रूस का यूक्रेन पर मिसाइल हमला,भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल की स्टील कंपनी को निशाना बनाया, 2 की मौत

मॉस्को। रूस ने शनिवार रात यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में भारतीय अरबपति लक्ष्मी

बार का हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है और रूसी हमले



मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल के स्टील प्लांट पर मिसाइल हमला किया। हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 13 कर्मचारी व ठेकेदार घायल हुए हैं। यह यूक्रेन का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है। हमले के बाद प्लांट में ग्राइंडर का कुछ काम रोकना पड़ा। प्लांट की ऊर्जा व्यवस्था और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़े अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। हमले के बाद दमकलकर्मी, बचाव दल और मेडिकल टीम मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव का काम जारी है।

प्लांट में क्या बनता है? क्रिवी रिह का आर्सेलरमित्तल प्लांट यूक्रेन का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है। यहां स्टील बनाने के लिए बड़े ब्लास्ट फर्नेस और दूसरी उत्पादन इकाइयां हैं। रूस के हमले में इन्हें उत्पादन से जुड़े कुछ अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसलिए कंपनी ने प्लांट का कुछ काम अस्थायी रूप से रोक दिया है। 2022 में ही हुआ था हमला- इस प्लांट पर रूस पहले भी हमला कर चुका है।

2022 में हुए रूसी मिसाइल हमले में प्लांट की एक रोलिंग मिल नष्ट हो गई थी और एक कर्मचारी की मौत हुई थी। इस

यूक्रेन के अहम बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। लक्ष्मी मित्तल की कंपनी यूक्रेन में क्यों अहम है?आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह यूक्रेन की अर्थव्यवस्था के लिए अहम औद्योगिक इकाई है। यह कंपनी दुनिया की बड़ी स्टील लघु कंपनियों में शामिल आर्सेलरमित्तल का हिस्सा है, जिसके चेयरमैन और प्रमुख शेरधारक भारतीय मूल के उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल हैं। प्लांट यूक्रेन के बड़े औद्योगिक शहर क्रिवी रिह में स्थित है। यह शहर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की का गृहनगर भी है। मित्तल ने 2005 में खरीदा था यूक्रेन का यह स्टील प्लांट- यूक्रेन का क्रिवी रिह स्टील प्लांट पहले सरकारी कंपनी के पास था। 2005 में लक्ष्मी मित्तल की कंपनी मित्तल स्टील ने इसे खरीद लिया। इसके बाद मित्तल स्टील का आर्सेलर के साथ विलय हुआ और 2006 में आर्सेलरमित्तल बनी।

तब से यह प्लांट इसी कंपनी का हिस्सा है। लक्ष्मी मित्तल भारतीय मूल के बड़े उद्योगपतियों में गिने जाते हैं।

उनकी कं पनी आर्सेलरमित्तल दुनिया की बड़ी स्टील कंपनियों में शामिल है और कई देशों में कारोबार करती है।

दक्षिण कोरिया के साथ सैन्य अभ्यास घटाएगा अमेरिका,ट्रम्प बोले-इससे नॉर्थ कोरिया को गलत मैसेज जाता है, किम से मेरे अच्छे रिश्ते

वॉशिंगटन। अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले सैन्य अभ्यासों को कम करने का ऐलान किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने

है। इसमें दक्षिण कोरिया के करीब 18 हजार सैनिक हिस्सा लेंगे। सैनिक इस दौरान असली युद्ध जैसी परिस्थितियों में ट्रेनिंग करेंगे। इसमें गोली चलाने की



अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को अभ्यासों में कटौती करने का आदेश दिया है। ट्रम्प ने कहा कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से उनके अच्छे रिश्ते हैं। ऐसे में अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को गलत और दुश्मनी वाला संदेश देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन अभ्यासों पर अमेरिका का काफी पैसा खर्च होता है। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने कहा है कि अमेरिका के साथ सैन्य अभ्यास तय कार्यक्रम के मुताबिक होंगे। इसी हफ्ते शुरू होना है सैन्य अभ्यास-अमेरिका और दक्षिण कोरिया का उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास इसी हफ्ते शुरू होना

प्रीक्टिस, पानी वाले इलाकों को पर करना और सैन्य सामान एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाना शामिल है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का कहना है कि इस अभ्यास का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं, बल्कि उत्तर कोरिया के संभावित हमले से निपटने की तैयारी करना है। ट्रम्प ने पोस्ट में ईरान का भी किया जिक्र-ट्रम्प ने अपनी पोस्ट में ईरान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने दक्षिण कोरिया से ईरान को परमाणु हथियारों से मुक्त करने की अमेरिकी कोशिश में साथ देने को कहा था, लेकिन सियोल ने मना कर दिया। ट्रम्प ने इसे सैन्य अभ्यास कम करने के

फैसले से अलग मुद्दा बताया। उत्तर कोरिया ने सैन्यअभ्यास किया था विरोध-उत्तर कोरिया लंबे समय से इन सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है। शुक्रवार को उसने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ कड़े कदम उठाने की धमकी दी थी। प्योंगयांग का कहना है कि ये अभ्यास हमला करने की तैयारी जैसे हैं और इससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ता है। ट्रम्प और किम की 3 बार मुलाकात हुई-ट्रम्प और किम जोंग उन 2018 से 2019 के बीच तीन बार मिले थे। दोनों की पहली मुलाकात जून 2018 में सिंगापुर में हुई थी। इसके बाद फरवरी 2019 में वियतनाम और जून 2019 में दोनों नेता फिर मिले। इन बैठकों में उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों को लेकर बातचीत हुई थी, लेकिन कोई बड़ा समझौता नहीं हो सका। सैन्य अभ्यास कम करने के ऐलान से एक दिन पहले ट्रम्प ने किम के साथ अपनी पुरानी तस्वीर भी शेयर की थी। उन्होंने कहा था कि दोनों के रिश्ते अच्छे हैं। ट्रम्प पहले भी अभ्यास रोक चुके हैं- 2018 में किम से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों को रोकने की घोषणा की थी। उन्होंने इन्हें महंगा और उत्तर कोरिया के लिए उकसाने वाला बताया था। बाद में दोनों देशों ने सैन्य अभ्यास फिर शुरू कर दिए थे।

रूस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमला,6 की मौत; मॉस्को के पास ई-कॉमर्स गोदाम में आग लगी,' रूस ने 1400 ड्रोन मार गिराए

मॉस्को/कीव। यूक्रेन ने रविवार को रूस पर युद्ध शुरू होने के बाद अब तक का सबसे बड़े ड्रोन हमला किया है। इसमें कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। इन ड्रोन हमलों में मॉस्को के पास रूसी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज के डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर में आग लग गई। यह गोदाम करीब 2 लाख वर्ग मीटर में फैला है। सामने आई तस्वीरों में इमारत का बड़ा हिस्सा आग की चपेट में दिखाई दिया। आसमान में दूर तक काला धुआं उठता नजर आया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने पिछले 24 घंटे में 9 यूक्रेनी क्रूज मिसाइल और कुल 1,478 ड्रोन मार गिराए हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि करीब 600 ड्रोन राजधानी की ओर दागे गए थे। उन्होंने इसे पिछले दो साल में मॉस्को पर हुआ सबसे बड़ा हवाई हमला बताया। रूस के हमलों में यूक्रेन में 7 लोगों की मौत-इसी दौरान रूस ने भी रविवार को यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इन हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई। राजधानी कीव भी पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया गया। इसमें 6 लोग घायल हुए और राजधानी में कई जगह आग लग गई। कीव के आबोलोन्स्की जिले में पेट्रोव्का बुक मार्केट का बड़ा हिस्सा जल

गया। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, आग में उनकी किताबों का पूरा स्टॉक नष्ट हो गया। जेलेन्स्की बोले- रूस नागरिक इलाकों को निशाना बना रहा- यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर



जेलेन्स्की रूस पर नागरिक इलाकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया। जेलेन्स्की ने कहा कि रूस अपनी पहुंच वाले इलाकों में नागरिक ढांचे पर हमला कर रहा है। उनके मुताबिक, पिछले एक हफ्ते में रूस ने यूक्रेन के शहरों और दूसरे इलाकों पर 1,550 से ज्यादा ड्रोन, करीब 1,560 गाइडेड बम और 62 मिसाइल दागीं। इनमें बड़ी संख्या बैलिस्टिक मिसाइलों की थी। बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकना यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती- यूक्रेन धीमी गति से आने वाले ड्रोन को रोकने में काफी हद तक सफल रहा है। लेकिन तेज गति से आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकना उसके लिए बड़ी चुनौती है। ऐसी मिसाइलों को रोकने में अमेरिका की पैट्रियट एयर

डिफेंस सिस्टम अहम भूमिका निभाती है। हालांकि, लातार हो रहे रूसी हमलों के कारण यूक्रेन के पास इन इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार सीमित हो गया है। हालांकि, जेलेन्स्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत और पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। यूक्रेन ने 1,500 मील तक हमला करने की क्षमता बढ़ाई- यूक्रेन ने 2026 में अपनी लंबी दूरी की ड्रोन और मिसाइल क्षमता में तेजी से इजाफा किया है। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, अब वह रूस की सीमा से करीब 1,500 मील दूर तक मौजूद ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम है। यूक्रेन इन हथियारों से रूस के गोदामों, तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहा है। इससे युद्ध में पड़ोसी रूस की लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता को कड़ी चुनौती मिल रही है। दोनों देशों को रोकने के लिए बड़ी चुनौती- यूक्रेन धीमी गति से आने वाले ड्रोन को रोकने में काफी हद तक सफल रहा है। लेकिन तेज गति से आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकना उसके लिए बड़ी चुनौती है। ऐसी मिसाइलों को रोकने में अमेरिका की पैट्रियट एयर

प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा टाली बांग्लादेश बोला- पूर्व पीएम शेख हसीना को वापस भेजो,बातचीत के लिए सही माहौल जरूरी

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का भारत दौरा फिलहाल टल गया है। ढाका के विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि पहले भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजो। इसके बाद ही पीएम रहमान के भारत दौरे की तैयारियां आगे बढ़ेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ए.के. शाहिदुल करीम ने कहा कि मौजूदा हालात में यात्रा के लिए सही माहौल नहीं है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री 21 अगस्त को दिल्ली आने वाले थे। इस दौर के लेकर दोनों देशों में बातचीत चल रही थी। हसीना की

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बिगड़ा माहौल- शाहिदुल करीम ने कहा- नई दिल्ली में 5 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने भारत की जमीन से राजनीतिक बयान दिए। इससे यात्रा के लिए बना माहौल खराब हुआ। करीम ने कहा कि बांग्लादेश पहले भी इस मुद्दे पर अपना रुख साफ कर चुका है। हम चाहते हैं कि पीएम तारिक की यात्रा से पहले दोनों देशों के बीच सही माहौल बना सके। तारिक के अगस्त के तीसरे हफ्ते में भारत आने की खबरें आई थीं। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल

हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में दोषी ठहरा चुकी है। पीएम रहमान की पार्टी उनकी भारत यात्रा के खिलाफ तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर बांग्लादेश में राजनीतिक विरोध भी हो रहा है। रूलिंग पार्टी के नेताओं ने भारत में शेख हसीना की राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाए हैं। 2024 में आंदोलन में बनी नेशनल सिरिजन पार्टी (एनसीपी) के नेता ने कहा- जब तक शेख हसीना के प्रत्यर्पण और भारत-बांग्लादेश के रिश्तों पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक

तारिक रहमान को भारत नहीं जाना चाहिए। एनसीपी बोली कि नई दिल्ली में हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस भारत सरकार के सीधे या परोक्ष समर्थन से हुई। दिल्ली से हसीना के दृष्टि गए बयान को सिर्फ उनकी निजी राय नहीं माना जा सकता। इससे भारत के रुख का भी संकेत मिला है। भारत ने तारिक को दिल्ली आने का न्योता दिया था- भारत की ओर से तारिक रहमान को दिल्ली आने का न्योता पहले ही दिया जा चुका है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला 17 फरवरी को तारिक के प्रधानमंत्री पद के

शपथ ग्रहण समारोह में ढाका पहुंचे थे, तब उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें निमंत्रण दिया था। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा था कि बांग्लादेश की खाड़ी से जुड़े देशों के अंतरराष्ट्रीय संगठन का अध्यक्ष होने के नाते तारिक को सितंबर में नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने का भी न्योता मिला है। भारतीय हाई कमिश्नर ने पीएम तारिक से मुलाकात की- बांग्लादेश में भारतीय हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने 10 अगस्त को

प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। दोनों के बीच कई अहम द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत हुई। इस दौरान ढाका ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की उम्मीद भी जताई। मुलाकात के बाद त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देश आगे की ओर देख रहे हैं और द्विपक्षीय रिश्तों को लेकर सकारात्मक सोच है। इसके कुछ ही घंटे बाद त्रिवेदी नई दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद तारिक की दिल्ली यात्रा को लेकर उम्मीदें बढ़ी थीं।

घण्टाघर चौराहे पर शान से लहराया तिरंगा, व्यापारियों ने लिया राष्ट्रहित में एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प

उपप्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस पर हुआ भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि



मण्डल के तत्वावधान में स्थानीय घण्टाघर चौराहे पर देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व व्यापार मण्डल के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने किया। इस दौरान राष्ट्रध्वज फहराकर उपस्थित व्यापारियों एवं नागरिकों ने राष्ट्रगान के साथ देश की एकता, अखण्डता और संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित व्यापारियों ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों एवं महापुरुषों को नमन करते हुए देश की प्रगति में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। पूरा वातावरण देशभक्ति के नारों एवं राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत रहा। प्रदेश उपाध्यक्ष/जिलाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का पर्व नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा

कि व्यापार जगत सदैव राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और आगे

बलिदान का परिणाम है। हमें आजादी के मूल्यों को समझते हुए नई पीढ़ी में देशप्रेम, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का यह पावन पर्व हम सभी को एकजुट होकर देश की तरक्की में योगदान देने की प्रेरणा देता है। व्यापार मण्डल सदैव सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करता रहा है और भविष्य में भी करता रहेगा। नगर महामंत्री आशु श्रीवास्तव ने कहा कि देश की उन्नति तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक नागरिक अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि तिरंगे की आन-बान-शान बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वरिष्ठ व्यापारी नेता के0के0 मौर्या ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अपने गौरवशाली इतिहास और शहीदों के बलिदान की याद दिलाता है। प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने कहा कि तिरंगा हम सभी के लिए गौरव, त्याग और एकता का प्रतीक है। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र वातावरण में अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का निर्वहन कर पा रहे हैं। उन्होंने व्यापारियों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। संरक्षक घनश्याम गुप्ता ने कहा कि देश की स्वतंत्रता अनगिनत वीरों के त्याग और

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक में मा0 मंत्री ने किया ध्वजारोहण

शहीदों को श्रद्धांजलि देकर स्वतंत्रता के लिए उनके बलिदान को याद कर किया गया नमन, स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए वीरों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता - मनोज कुमार पाण्डेय, शहीद स्मारक देश की आजादी की याद दिलाता है - मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को मंत्री,

दौरान तिरंगा धीम पर आधारित राष्ट्रप्रेम कार्यक्रम एवं

शहीद स्मारक ऐतिहासिक स्थल है और हमें ऐसा प्रयास करना



खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति उपप्र0 मनोज कुमार पाण्डेय ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक स्थल मुंशीगंज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर ध्वजारोहण कर शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक, देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात मा0 मंत्री जी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पारिवारिक जनों को शाल पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी

प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विभिन्न विद्यालयों के बच्चों को पुरस्कार वितरण व विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के हितलाभ हेतु प्रशस्ति पत्र, टूलकिट व डमीचेक वितरित किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम सभी लोग इस ऐतिहासिक स्थल पर 80वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एकत्रित हुए हैं यह एक महत्वपूर्ण क्षण है शहीदों को श्रद्धांजलि देने और देश की स्वतंत्रता के लिए उनके बलिदान को याद कर नमन करने के लिए, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए वीरों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह स्मारक देश की आजादी की याद दिलाता है और शहीदों के बलिदान को सम्मानित करता है। जनपद रायबरेली में

चाहिए जो शहीदों का सम्मान बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय भाव के साथ हमेशा खड़े होना चाहिए।

मंच का संचालन एस0एस0 पांडे द्वारा किया गया। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला प्रवेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, जिला पुरति अधिकारी उर्बेदुरहरमान, उपायुक्त उद्योग परमहंस, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा, तहसीलदार सदर आवृति श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी/कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकगण/बच्चों व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मा उद्यान मंत्री व डीएम-एसपी ने सई नदी में दीपदान कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उपप्र0 दिनेश प्रताप सिंह ने शहीद स्मारक स्थल पर सई नदी में दीपदान कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दीपो की अवरल श्रृंखला से पूरा घाट प्रकाशमय हो उठा, जिसने देशभक्ति और सांस्कृतिक आस्था का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। इसके पश्चात मा0 मंत्री ने भारत माता मंदिर में दीप जलाकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित

किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बुद्धिपाल पासरी, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता उपस्थित रही। उद्यान मंत्री ने कहा कि यह स्थल ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है यहां पर किसानों ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि यह दीपदान केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि शहीदों के बलिदान को याद करने और उनके आदर्शों को अपनाने का एक संकल्प है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण

सुरक्षा में सक्रिय योगदान दें, ताकि हमारी नदियां और प्राकृतिक धरोहर सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, क्षेत्राधिकार नगर आशेष निगम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्वर्ण सिंह, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजन अनिल मिश्रा, अपर मिश्रा, पुनम तिवारी, शिव नारायण मिश्रा, शिव बाबू शुक्ल सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर विकास भवन में शान से लहराया तिरंगा, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने किया ध्वजारोहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर

अधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता हमें स्वतंत्रता



विकास भवन परिसर में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के साथ देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्य विकास

संग्राम सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान से प्राप्त हुई है। हम सभी का दायित्व है कि उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र एवं समाज के विकास में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान दें। इस अवसर पर विकास भवन के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज : झुंसी थाना क्षेत्र के शास्त्री पुल से छात्र ने लगाई छलांग, नाविकों ने तत्परता से बचाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सूचना पर मौके पर



पहुँचे परिजनों ने 108 एम्बुलेंस सी0एचसी बनी अस्पताल पहुँचाया। परिजनों ने बताया छात्रा पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही हैं, पिछले कुछ महीनों से मानसिक स्थिति अच्छा नहीं होने

छात्रा का घर गारापुर बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तकरीबन 12 बजे एक युवती अचानक शास्त्री पुल गंगा नदी में छलांग लगा दिया। फिलहाल छात्रा की हालत नाजुक बनी हुई है।

जनपद में हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया ध्वजारोहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जनपद रायबरेली में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के उपरान्त उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। जिलाधिकारी ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व च्योछावर करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की एकता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत रहा तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की प्रगति और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में जनगणना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु कंट्रोल रूम प्रभारी व उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, उपजिलाधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने विकास भवन में नव निर्मित 'कर्तव्य वाटिका' का किया लोकार्पण, कर्तव्य वाटिका से विकास भवन आने वाले जनसामान्य को मिलेगी बेहतर एवं अनुकूल बैठने की सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

जनसुविधाओं के अनुकूल बनाए

एवं सुखद वातावरण प्राप्त होगा। कर्तव्य वाटिका में अगले एक-दो महीने में नाफेड बाजार का संचालन किया जाएगा तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाई जाने वाली अनेक सामग्री मार्केट के माध्यम से बिक्री की जायेगी। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि कर्तव्य वाटिका में निष्कायोज्य वस्तुओं से कलाकृति का निर्माण कराया जाए तथा समूह की महिलाओं द्वारा कैनटीन का संचालन कराया जाए -इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने कर्तव्य वाटिका में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर के विकास का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपायुक्त श्रम



रायबरेली। शनिवार को

रखने पर भी जोर दिया। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने विकास भवन परिसर में नव निर्मित 'कर्तव्य वाटिका' का लोकार्पण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास भवन में प्रतिदिन विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कार्यों के लिए बड़ी संख्या में जनसामान्य का आवागमन होता है। ऐसे में परिसर में कर्तव्य वाटिका का निर्माण जनसामान्य की सुविधा की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि वाटिका के विकसित होने से विकास भवन आने वाले लोगों को बैठने के लिए स्वच्छ, सुंदर एवं अनुकूल स्थान उपलब्ध होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कर्तव्य वाटिका की नियमित साफ-सफाई, हरियाली एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि इसका बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने परिसर को अधिक स्वच्छ, हरा-भरा एवं



भी कर्तव्य वाटिका के बेहतर रख-रखाव एवं अधिकाधिक पौधों के रोपण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकास भवन परिसर में हरित क्षेत्र के विस्तार से न केवल परिसर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि आने वाले जनसामान्य एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को भी सकारात्मक

रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता विवेक कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह, सहित विकास भवन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ए0डी0आर0 सेन्टर में जिला जज ने किया ध्वजारोहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को स्वतंत्रता

स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत लोगों के दिलों में ऊर्जा और एकता का

एस0सी0एस0टी0 एक प्रतिमा, अपर जिला जज रामनेत, अजय



दिवस वेड अवसर पर ए0डी0आर0 सेन्टर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली में राष्ट्रीय ध्वज अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह द्वारा फहराया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने कहा कि भारत अपनी आजादी का 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इस बार का स्वतंत्रता दिवस हम भारतीयों के लिए कई मायनों में खास है।

जोश भरने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय मिली स्वतंत्रता का सदुपयोग करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

हम सभी को स्वच्छंदता से अधिक स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ को समझना चाहिए तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश

कुमार-तृतीय, गुणेंद्र प्रकाश, विनोद कुमार-सप्तम, अपर जिला जज पल्लवी प्रकाश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित मिश्रा सहित अन्य न्यायिक मजिस्ट्रेटगण, चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउन्सिल तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं स्थायी लोक आदालत वेड कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

95 साल की मां को कांडव पर लेकर निकला बेटा, काशी विध्वनाथ में 3 किमी लंबी लाइन

वाराणसी। आज सावन का तीसरा सोमवार है। नाग पंचमी भी 23 साल बाद ऐसा खास संयोग बना है। यूपी में शिव मंदिरों में सुबह से भक्तों और कांवड़ियों की भारी भीड़ है। मंगला आरती के बाद सुबह 4 बजे श्रद्धालुओं के कपाट खोल दिए गए हैं। काशी विध्वनाथ में 3 किमी लंबी लाइन है। अब तक 5 लाख भक्त दर्शन कर चुके हैं। यहां से गंगाजल लेकर भक्त रात 12 बजे से ही जलाभिषेक के लिए कवार में लग गए। बाबा विध्वनाथ आज अर्धनारीश्वर स्वरूप में दर्शन दे रहे हैं। इधर, फिरोजाबाद में बेटे ने 95 साल की तीन बेटे मां विरमा देवी को कांडव में लेकर निकले हैं। वह 100 किमी तक बढ़ाचू जाऐंगे। तीन बेटों ओम प्रकाश, भागीरथ सिंह और जनक सिंह के साथ ही नाती-पोते भी हैं। कानपुर के आनंदेश्वर मंदिर में रात 2 बजे मंगला आरती हुई। इसके बाद कपाट खोल दिए।

आधुनिक संगम जल है अमृत तुल्य जल

श्री गंगाधर जी महाराज
पीठाधीश्वर
शिव शक्तिपीठ

सब्सक्राइब करें—

Equity-345308693, 9419800710, 9404989177
aaenterprisescustomercare@gmail.com

डाक विभाग ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस, पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने अहमदाबाद जीपीओ में किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गौरव, सम्मान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने अहमदाबाद जीपीओ में 80वां स्वतंत्रता दिवस



डाक विभाग द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अहमदाबाद जीपीओ में आयोजित समारोह में उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव

कर रहा है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह गौरव, सम्मान और राष्ट्रीय

डाक विभाग 'अहर्निश सेवामहे' भाव से समाज के अंतिम छोर तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचा रहा- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

ने ध्वजारोहण किया और अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राष्ट्रगान, देशभक्ति गीतों और देश के प्रति समर्पण की भावना से सराबोर

चेतना का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम आजादी को नए सिरे से महसूस करें और अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक हों। स्वाधीनता के मूल्यों को पहचानने और



माहौल देखने को मिला। उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाककर्मियों को सम्मानित भी किया गया। डाक चौपाल के अंतर्गत खाता खुलवाने वाली बेटियों को सुकन्या समृद्धि खाता, डाक जीवन बीमा, इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक इत्यादि के पासबुक व बांड्स भी प्रदान किये गए। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि यह दिन हमें न केवल आजादी का गर्व महसूस कराता है, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों और

के तहत गोल्ड श्रेणी में निशाबेन दरजी, शिल्पा वी. अंबालिया, हितेशकुमार के. प्रजापति, यश के. प्रजापति, रोनक बी. प्रजापति, प्रकाशभाई के. शाह, शोभना डी. बारैया और निकुंजकुमार एम. राठोड एवं पोस्टमैन श्रेणी में वी. सी. मारु, ख्यातिबेन एम. रावल, नयनाबेन के. सोलंकी, पार्थ प्रजापति, रामजीभाई परमार और हिरन पटेल एवं विशिष्ट खेल उपलब्धि में हर्षदीप परमार को पोस्टमास्टर



जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराता है। जब-जब देश पर संकट की बेला आई, देशवासियों ने एकजुट होकर उसका सामना किया और राष्ट्र-प्रथम की भावना को सर्वोच्च रखा। डाक विभाग ने सदैव 'अहर्निश सेवामहे' भाव से कार्य करते हुए समाज के अंतिम छोर तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाया है। एक विभाग के रूप में यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी क्षमताओं का पूर्ण विकास कर समाज और राष्ट्र की उन्नति में योगदान दें, यही स्वतंत्रता दिवस की असली सार्थकता होगी। डाक सेवाओं की ऐतिहासिक और निरंतर भूमिका को रेखांकित करते हुए श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि वित्तीय समावेशन, डिजिटल इंडिया के साथ देश के सामाजिक और

जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने सम्मानित किया। स्वागत सम्भाषण सीनियर पोस्टमास्टर संदीप कुशवाहा, आभार ज्ञापन सहायक निदेशक अल्पेश शाह और संचालन निशा नायर ने किया। इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल के प्रवर डाक अधीक्षक शिशिर कुमार, गांधीनगर मंडल के नव नियुक्त प्रवर डाक अधीक्षक शुभम डोंगरदिवे, सहायक निदेशक डाक अधीक्षक जीनेश पटेल, रमेश पटेल, जेएस जिड, रोनक शाह, डिप्टी मेनेजर आर ए शेख, पराग वासनिक, एस एन घोरी, निरीक्षक पायल पटेल, सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी व उनके परिजन शामिल हुए और हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया।

एसजेएस में स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित, आज़ादी के मूल्यों को समझना अहम: श्री रमेश बहादुर सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। कचेहरी रोड स्थित

चेयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह ने बच्चों को आज़ादी का महत्व

प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने ताड़वांडा का प्रदर्शन



एसजेएस पब्लिक स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल के चेयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह ने ध्वजारोहण किया और झंडे को सलामी दी। इस अवसर पर एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल के

बताया और उन्हें उसके मूल्यों को समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज हम महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं और हमें देश के विकास में योगदान देना होगा। बच्चों ने ध्वजारोहण के बाद चेयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति के गीतों पर नृत्य

किया। इस प्रदर्शन के जरिए बच्चों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। स्कूल की प्रधानाचार्या डॉक्टर बीना तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उक्त जानकारी संस्थान के जन सम्पर्क अधिकारी श्री मनोज शर्मा ने दी।

11 सितंबर से 17 सितंबर 2026 तक ऊंचाहार विधानसभा के चइरई चौराहे निकट टोल प्लाजा पर प्रदीप मिश्रा द्वारा शिवपुराण कथा कही जायेगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ऊंचाहार के विधायक

समतलीकरण का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि

स्थल पर फायर ब्रिगेड, पर्याप्त पुलिस व्यवस्था, खोया पाया केन्द्र



और कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडे व आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक श्री प्रदीप मिश्रा (सिहोर वाले) दिनांक 11 सितंबर से 17 सितंबर तक शिवपुराण की कथा कही जायेगी। आयोजन की तैयारी विगत एक माह से की जा रही है, जिसमें लगभग 40 कीर्ण भूमि के

कथा स्थल पर पहुंचने के रेल व सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है। मशहूर कथा वाचक की कथा सुनने के लिये भारत सरकार व प्रदेश सरकार से, शंकराचार्य और धर्माचार्य उपस्थित हो रहे हैं। भीड़ प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्था करी मनीटरिंग वह स्वयं कर रहे हैं।

आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

मनोज कुमार पांडे जी ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र और रायबरेली की जनता का है और जनपद रायबरेली के लिए बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम सफल बनाने का आवाहन किया है।

स्वतंत्रता दिवस पर छिवकी चौकी परिसर में हुआ भव्य सुंदरकांड पाठ एवं विशाल कांवड़िया सेवा शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आज, 15 अगस्त 2026 (शनिवार) को छिवकी चौकी परिसर स्थित श्री भोलेनाथ मंदिर में एक गरिमामयी एवं भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का सफल आयोजन संपन्न हुआ। भगवान भोलेनाथ की असीम अनुकंपा से आयोजित इस कार्यक्रम में भक्तिभाव से ओत-प्रोत श्री सुंदरकांड पाठ का गायन किया गया। इसके उपरान्त, सावन माह के उपलक्ष्य में कांवड़

लेकर जा रहे शिवभक्तों के लिए विशाल सेवा शिविर लगाया गया, जिसमें सभी कांवड़ियों को लहू प्रसाद एवं शुद्ध पेयजल की बोतलें वितरित कर सेवा कार्य किया गया। संयुक्त तत्वावधान एवं सहभागिता-यह भव्य धार्मिक व सामाजिक आयोजन निम्नलिखित संस्थाओं के संयुक्त सौजन्य से आयोजित हुआ- स्थानीय पुलिस प्रशासन (छिवकी चौकी) जिला अपराध निरोधक कमेटी, राम समाज सेवा दल, राम दूर एंड ट्रैवल्स, मुख्य उपस्थिति एवं

विशिष्ट अतिथि-कार्यक्रम में मुख्य रूप से चौकी प्रभारी श्री मनोज कुमार सिंह जी एवं उनके सहयोगी पुलिस बल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सेवा कार्य एवं व्यवस्था का संचालन यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा के कुशल नेतृत्व में किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने संकल्प व्यक्त किया कि समाज सेवा, राष्ट्रभक्ति और जन-कल्याण के ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जनपद भर में 10.88 लाख बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शुक्रवार को जनपद

दिवस के तहत एक से 19 साल के 12.84 लाख बच्चों को

के लिए आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विद्यालयों में दवा



में सोमवार 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

एल्बेंडाजोल खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जो



(एनडीडी) आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि जनपद में 19 सीएचसी एवं शहरी क्षेत्रों में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति

बच्चे सोमवार को दवा सेवन से वंचित रह गए थे, उन्हें 14 अगस्त को आयोजित मॉप-अप राउंड में दवा का सेवन कराया गया। इस अवसर पर डा. नवीन चंद्रा ने कहा कि बच्चों को कृमि मुक्त करने

खिला रही हैं, जिसमें शिक्षा विभाग एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, अल्प संख्यक कल्याण विभाग, पंचायती राज विभाग का भी सक्रिय सहयोग है। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस. अस्थाना ने बताया कि 12.84 लाख बच्चों के लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 1088472 बच्चों ने एल्बेंडाजोल का सेवन किया। माप अप दिवस पर श्री हेमकुंड पब्लिक स्कूल, मुंशी गंज में बच्चों को कृमि नाशक दवा का सेवन कराया गया कार्यक्रम में अर्बन नोडल अधिकारी डा. राकेश कुमार यादव, शहरी स्वास्थ्य समन्वयक विनय पांडे, विद्यालय प्रबंधक जसवंत सिंह, उप प्रधानाचार्य विक्रम सिंह, जितेन्द्र जी. शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

अग्नि सुरक्षा और औद्योगिक सुरक्षा कौशल का महत्व



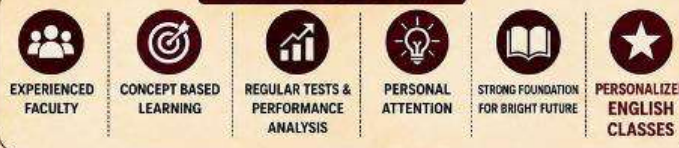
॥ विद्या ददाति विनयम् ॥

GURUKUL COACHING CLASSES

CLASSES 1ST TO 10TH

Strong Foundation. Bright Future. Better Tomorrow.

WHY CHOOSE US?



WE OFFER

- ★ Concept Based Learning
- ★ Regular Tests & Assessments
- ★ Personalized Attention
- ★ Homework Support
- ★ One to One Doubt Clearing
- ★ Positive & Disciplined Environment
- ★ PERSONALIZED ENGLISH CLASSES (Grammar • Speaking • Reading • Writing)



ADDRESS:
427/320 Attarsuiya
Meerapur Prayagraj
Landmark: Rani Mandi
Police Chowki



CONTACT:
9214973264
7309956922
CALL / WHATSAPP



Landmark:
Rani Mandi
Police Chowki

★ DISCIPLINE TODAY ★ SUCCESS TOMORROW ★

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर कैथी में श्रद्धांजलि सभा 'सरकारें आएंगी जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी, लेकिन देश रहना चाहिए'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा सोनभद्र। अटल उपन सेवा ट्रस्ट कि अटल जी ने राजनीति में



कैथी के तत्वावधान में रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं भाजपा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष अजीत चौबे के नेतृत्व में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर अटल जी के प्रसिद्ध कथन 'सरकारें आएंगी जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी, लेकिन देश रहना चाहिए' को याद करते हुए ट्रस्ट के समस्त सदस्य व कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों, सुशासन और राष्ट्रसेवा के मूल्यों पर चलने का

नैतिकता, संवाद और समन्वय की मिसाल पेश की। पोखरण परीक्षण, सड़क निर्माण और शांति प्रयासों से उन्होंने भारत को नई दिशा दी। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्य ग्राम प्रधान जितेंद्र बहादुर सिंह, सुभाष पाठक, राजेश पटेल, राकेश चौबे, रामकुमार पटेल, रामकृष्ण चौबे, कृष्णांत द्विवेदी, मनीष पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव एवं भाजपा चर्च मंडल के अध्यक्ष दिलीप चौबे ने किया। अंत में राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए प्रार्थना के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उचित दर विक्रेताओं को अतिरिक्त लाभांश वितरण की घोषणा 17 अगस्त को, सुबह 10 बजे से विधानसभा-वार आयोजित होगा कार्यक्रम जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने नोडल अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में प्रदेश में कार्यरत उचित दर विक्रेताओं को राज्य सरकार के बजट से अतिरिक्त लाभांश वितरण की घोषणा के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जनपद सोनभद्र में उक्त कार्यक्रम का 17 अगस्त 2026 को प्रातः 10:00 बजे से विधानसभा-वार आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के संचार एवं सफल संचालन के लिए विधानसभा-वार नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है। विधानसभा-वार नामित नोडल अधिकारी निम्नवत हैं- विधानसभा राबट्सगंज: उपजिलाधिकारी (न्यायिक), राबट्सगंज। विधानसभा घोराल: उपजिलाधिकारी, घोराल। विधानसभा ओबरा: उपजिलाधिकारी, ओबरा। विधानसभा दुहरी: उपजिलाधिकारी (न्यायिक), दुहरी। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने सभी नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में 17 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे से कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करें।

स्वतंत्रता दिवस की पावन अवसर पर उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा द्वारा किया गया ध्वजारोहणकर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को। स्वतंत्रता दिवस की पावन अवसर पर उत्तर

सर्वस्व न्योछावर कर दिया उनके बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत की धरती पर

कि आज तिरंगा हमें तीन मूल संदेश देता है त्याग, शांति और समृद्धि यदि इन मूल्यों को हम



प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा द्वारा ध्वजारोहणकर राष्ट्रध्वज को नमन किया गया। तिरंगे के शान से लहराते ही पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति एवं देश प्रेम की भावना से ओत प्रोत हो उठा उपस्थित जन समूह ने राष्ट्रगान के साथ स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कौशल शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता हमारे लिए केवल उत्सव का विषय नहीं, बल्कि असंख्य वीरों के त्याग, तपस्या और बलिदान से प्राप्त वह अमूल्य विरासत है जिसकी रक्षा करना हम सभी का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सपूतों ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना

स्वाभिमान के साथ जी रहे हैं, हमें उनके सपनों के भारत को साकार करने के लिए केवल अधिकारों की बात नहीं बल्कि अपने कर्तव्यों, दायित्व और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करना होगा। शर्मा ने कहा कि व्यापारी एवं उद्यमी देश की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ हैं। रोजगार सृजन स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में व्यापार जगत की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने व्यापारियों से अहवालन किया कि वह ईमानदारी, पारदर्शिता, और सामाजिक सरोकारों को अपने व्यवसाय का अभिन्न अंग बनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं उन्होंने कहा

अपने आचरण में उतार लें तो भारत को विश्व के अग्रणी राष्ट्रों की पंक्ति में स्थापित करने का संकल्प निश्चित रूप से साकार होगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता अखंडता संप्रभुता एवं गौरव की रक्षा करने का संकल्प लिया झंडा रोहण कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रितपाल सिंह, जसकीरत सिंह शरद जायसवाल, राजेश जायसवाल, विनय जायसवाल, राजू जायसवाल, ब्रानेन्द्र त्रिपाठी अमित अग्रवाल, अभिषेक, प्रतीक केसरी, अभिषेक गुप्ता टीपू अली, सिद्धार्थ सांवरिया, पंकज कनौडिया, मोनू बंका कुशाग्र कौशल, प्रदीप जायसवाल, चंद्र प्रकाश जायसवाल, आशुतोष शुक्ला, मंदू केसरी आदिल उपस्थित रहे।

निगाई में दंगल-नाग पंचमी पर हुआ, 500 लोगों ने देखा कौशल प्रदर्शन

सोनभद्र। ग्राम पंचायत निगाई के बोकराखाड़ी हाई स्कूल के बगल में नाग पंचमी के अवसर पर दंगल कुश्ती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दंगल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की आने वाली पीढ़ी को कौशल युद्ध और अन्य पारंपरिक तरीकों से परिचित कराना था। कुश्ती के साथ-साथ हाई जंप और लॉन्ग जंप जैसी अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की



गई। विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर अमर सिंह गोड, भगवान सिंह गोड, दादू साव, हीरा सिंह पटेल, रमेश सिंह पटेल, अवध गोड, राजकुमार गोड, सुनील पटेल, रघुवर पटेल, दिनेश चंद्र गोड, भोला सिंह गोड, उमाशंकर गोड, संजय पटेल, नंदू पटेल, नागवनत पटेल और रामकुमार गोड सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सोनभद्र - सोनभद्र में आजादी का जश्न जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय रॉबर्ट गंज सोनभद्र

राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने फहराया तिरंगा बच्चों की प्रस्तुति ने बांधा समां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुख्य समारोह छात्रों द्वारा सोनभद्र। 15 अगस्त को 80वें सामूहिक रूप से वंदे मातरम के

स्टेडियम में सभी बच्चों का उत्साह बढ़ाया। जिलाधिकारी



स्वतंत्रता दिवस पर पूरा सोनभद्र देश भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विशिष्ट तिरंगा स्टेडियम में समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने ध्वजारोहण कर अमर शहीदों को नमन किया। वहीं छात्राओं की देशभक्ति गीत की प्रस्तुति ने माहौल को भावुक और जोशीला बना दिया। तिरंगे के नीचे गंजे वंदे मातरम राष्ट्रगान से हुआ। समारोह का शुभारंभ विशिष्ट तिरंगा स्टेडियम में आयोजित

गाने से आरंभ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित जन समूह ने राष्ट्रगान किया। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय रॉबट्सगंज सोनभद्र, सनबीम स्मार्ट सोनभद्र, कस्तूरबा गांधी विद्यालय रावटसगंज सोनभद्र की छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के गीत, सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर पूरे

द्वारा कर्तव्य और जिम्मेदारी का चर्चित गौड़ ने कहा कि देश की आजादी लंबे संघर्ष और असंख्य बलिदानियों के बाद मिली है। स्वतंत्रता दिवस हमें अधिकारियों के साथ अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का भी स्मरण करता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी पूरे निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

रसड़ा विधायक स्व. उमाशंकर सिंह जी की स्मृति में इमरती कालोनी में श्रद्धांजलि सभा हुयी संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजहितैषी विकास प्रताप के नेतृत्व में रसड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक स्व. श्री उमाशंकर सिंह जी की स्मृति में रविवार, 16 अगस्त 2026 को इमरती कॉलोनी, रॉबट्सगंज में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलोनीवासियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर स्व. उमाशंकर सिंह जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्व. उमाशंकर सिंह जी के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि

उनका निधन क्षेत्र एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने जनसेवा, सामाजिक सरोकारों तथा क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण

योगदान दिया, जिसे सदैव स्मरण किया जाएगा। इमरती कॉलोनी के विकास एवं उत्थान में भी स्व. उमाशंकर सिंह जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कॉलोनीवासियों के साथ उनका सदैव आत्मीय संबंध रहा और वे यहां के लोगों के सुख-दुःख में परिवार के सदस्य की तरह खड़े रहे। उनके स्नेह, सहयोग और योगदान को कॉलोनीवासी सदैव याद रखेंगे। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिवार एवं उनके समर्थकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर स्व. उमाशंकर सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर विमल चतुर्वेदी, हरिप्रबोध पांडेय, ओमप्रकाश जायसवाल, पीटू मेहता, रितेश सिन्हा आदि इमरती कालोनी निवासी उपस्थित रहे।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेंस सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप शुरू,भारत 17 साल बाद मेजबानी कर रहा, सिंधु के पास छठा मेडल जीतने का मौका

स्पोर्ट डेस्क। नई दिल्ली में आज से बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप शुरू हो रही है। भारत 17 साल बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। 23 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के मुकाबले इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होंगे। 7 दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता में पीवी सिंधु के पास अपना छठा मेडल जीतने का मौका है। वहीं, सात्विक-चिराग लगातार दूसरी बार मेडल जीतने के इच्छा से उत्तरेंगे। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप क्या है? बैडमिंटन का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। जो ओलिंपिक ईयर को छोड़कर हर साल होता है। इसका आयोजन बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्लूएफ) करता है। यहां जीतने वाले खिलाड़ी को अपने इवेंट का वर्ल्ड चैंपियन माना जाता है। पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप 1977 में स्वीडन में हुई थी। शुरुआत में यह हर तीन साल में होती थी। 1983 के बाद 2 साल के अंतराल पर होने लगी। अब तक कितनी बार आयोजित हुआ है? नई दिल्ली में इस चैंपियनशिप का 30वां एडिशन है। पिछला आयोजन 2025 में पेरिस में हुआ था। डैनमार्क ने सबसे ज्यादा 5 बार इस टूर्नामेंट की मेजबानी की है। स्पेन, चीन, इंडोनेशिया और इंग्लैंड 3-3 बार होस्ट कर चुके हैं। पिछला

मेजबान फ्रांस था। कितनी कैटेगरी में मुकाबले होते हैं? 5 कैटेगरी में मैच होते हैं। इनमें



पुरुष सिंगल्स, महिला सिंगल्स, पुरुष डबल्स, महिला डबल्स और मिक्सड डबल्स शामिल हैं। हर कैटेगरी के विजेता को गोल्ड मेडल मिलता है। उसे अगले एडिशन तक वर्ल्ड चैंपियन का खिताब भी मिलता है। दोनों से मी फाइनल हारने वाले खिलाड़ियों और जोड़ियों को ब्रॉन्ज दिया जाता है। सबसे ज्यादा गोल्ड किसने जीते? सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल चीन ने जीते हैं। वहां लिन डैन सबसे ज्यादा इंडिविजुअल गोल्ड जीतने वाले प्लेयर हैं। वे 5 बार वर्ल्ड चैंपियन का टाइटल अपने नाम कर चुके हैं। विमेंस कैटेगरी में जापान की

चांसेज हैं? सबसे ज्यादा चांस विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में हैं। 15 में से 7 मेडल इसी कैटेगरी में आए हैं। पीवी सिंधु अच्छी लय में दिख रही हैं। उन्होंने पिछले महीने जापान ओपन भी जीता था। वे अब तक 5 मेडल जीत चुकी हैं। उन्हें 9वां सीडिंग मिली है। वहीं, सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पिछले साल ब्रॉन्ज दिलाया था। भारत के कितने खिलाड़ी खेल रहे हैं? मेंस सिंगल्स: लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी। विमेंस सिंगल्स: पीवी सिंधु, उमति हुडा। मेंस डबल्स:- सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्सकरनन-एमआर अर्जुन।



विमेंस डबल्स: त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंधी। मिक्सड डबल्स: ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो, रोहन कपूर-रुथविका गाडे, आशिष सूर्या-अमृता प्रमथेश। भारत ने पहले कब-कब मेजबानी की? भारत ने इससे पहले सिर्फ एक बार 2009 में वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी की थी। तब सभी मुकाबले हैदराबाद के गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए थे। चीन के लिन डैन ने पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता था। उसी के साथ उन्होंने लगातार तीसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने का रिकॉर्ड बनाया था।

चांसेज हैं? सबसे ज्यादा चांस विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में हैं। 15 में से 7 मेडल इसी कैटेगरी में आए हैं। पीवी सिंधु अच्छी लय में दिख रही हैं। उन्होंने पिछले महीने जापान ओपन भी जीता था। वे अब तक 5 मेडल जीत चुकी हैं। उन्हें 9वां सीडिंग मिली है। वहीं, सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पिछले साल ब्रॉन्ज दिलाया था। भारत के कितने खिलाड़ी खेल रहे हैं? मेंस सिंगल्स: लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी। विमेंस सिंगल्स: पीवी सिंधु, उमति हुडा। मेंस डबल्स:- सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्सकरनन-एमआर अर्जुन।

फूड प्रिजर्वेटिव से हार्ट डिजीज का रिस्क,डॉक्टर से जानें-हाई प्रिजर्वेटिव्स फूड की लिस्ट, खरीदने से पहले लेबल पढ़ें

नयी दिल्ली। पैकेज्ड और अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इन फूड्स को लंबे समय तक खाने योग्य बनाए रखने के लिए इनमें अलग-अलग प्रिजर्वेटिव मिलाए जाते हैं। ये प्रिजर्वेटिव फूड की शेल्फ लाइफ बढ़ाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ आर्टिफिशियल प्रिजर्वेटिव हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। हाल ही में 'यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी' में एक स्टडी पब्लिश हुई। इसके मुताबिक, अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड में इस्तेमाल होने वाले कुछ कॉमन प्रिजर्वेटिव्स हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ाते हैं। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' कॉलम में आज फूड प्रिजर्वेटिव्स के हेल्थ रिस्क पर विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन फूड्स में सबसे ज्यादा प्रिजर्वेटिव्स होते हैं? फूड प्रिजर्वेटिव्स से कैसे बचा जा सकता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संजीव अग्रवाल, डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फूड प्रिजर्वेटिव पर हुई हालिया स्टडी क्या कहती है? जवाब- इस स्टडी से पता चला कि फूड प्रिजर्वेटिव्स से हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ता है। हालांकि यह ऑब्जर्वेशनल स्टडी है। यह सीधे तौर पर यह साबित नहीं करती कि प्रिजर्वेटिव ही हार्ट डिजीज का कारण है, लेकिन इनके बीच एक संबंध दिखाती है। स्टडी की प्रमुख बातें-स्टडी किस देश में हुई? यह रिव्यू स्टडी फ्रांस की मेजर हेल्थ स्टडी 'न्यूट्रीनेट-सैंट' के डेटा पर आधारित है, जो खानपान, न्यूट्रिशन और हेल्थ के बीच संबंधों पर का अध्ययन है। कितने लोगों पर हुई? स्टडी में 1,12,395 वयस्कों को शामिल किया गया। कितने साल चली? करीब 8 साल तक स्टडी में शामिल लोगों के खानपान और स्वास्थ्य की रेगुलर मॉनिटरिंग की गई। किन प्रिजर्वेटिव्स पर फोकस था? रिसर्चर्स ने कुल 17 कॉमन फूड प्रिजर्वेटिव्स को एनालाइज किया। इनमें शामिल हैं- सोडियम नाइट्राइट, सोडियम एंथोबैट,क्या नतीजा मिला? जिन लोगों ने नॉन-एंटीऑक्सिडेंट प्रिजर्वेटिव्स (जैसे नाइट्राइट, सोर्बेट, सफाइड) को ज्यादा कंज्यूम किया, उनमें हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क 29फीसदी और हार्ट डिजीज का रिस्क 16फीसदी

ज्यादा पाया गया। वहीं एंटीऑक्सिडेंट प्रिजर्वेटिव्स (जैसे एस्कोर्बिक एसिड और साइट्रिक एसिड) कंज्यूम करने वालों में हाई ब्लड प्रेशर का जोखिम 22फीसदी ज्यादा देखा गया। सवाल- फूड प्रिजर्वेटिव क्या हैं? जवाब- फूड



प्रिजर्वेटिव वे पदार्थ हैं, जिन्हें खाने-पीने की चीजों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है। ये बैक्टीरिया, फफूंद और अन्य सूक्ष्मजीवों को पैदा होने से रोकते हैं। इसे सरल भाषा में ऐसे समझिए- जब भी हम खाने-पीने की कोई चीज खरते हैं तो वह वातावरण में मौजूद ऑक्सीजन के साथ रिएक्ट करती है। इससे फूड में बैक्टीरिया पैदा होते हैं। ये बैक्टीरिया बुरे नहीं हैं। बस ये मनुष्य के खाने के लिए नहीं हैं। यही कारण है कि भोजन जल्दी खराब हो जाता है। अब भोजन को खराब होने से बचना है तो उसके लिए या तो उसे फ्रिज में रखना होगा (फ्रिज का तापमान कम होता है और बैक्टीरिया को पनपने के लिए ज्यादा तापमान चाहिए।) या किसी भी अन्य तरीके से बैक्टीरिया को पनपने से रोकना होगा। ऐसे में फूड को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उसमें कुछ ऐसी चीजें मिलाई जाती हैं, जो बैक्टीरिया को पनपने से रोकती हैं। इन्हें ही फूड प्रिजर्वेटिव कहते हैं। इसका शाब्दिक अर्थ है फूड को प्रिजर्व (सुरक्षित) करने वाले तत्व। ये प्रिजर्वेटिव नेचुरल और आर्टिफिशियल, दोनों तरह के होते हैं। सवाल- खाने में प्रिजर्वेटिव क्यों मिलाया जाता है? जवाब- किसी भी फूड को लंबे समय तक सुरक्षित और ताजा बनाए रखने के लिए उसमें प्रिजर्वेटिव मिलाया जाता है। साथ ही ये खाने का स्वाद, रंग और क्वालिटी मेंटेन रखने में मदद करता है। सवाल- फूड प्रिजर्वेटिव्स हाई को कैसे नुकसान पहुंचाते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- कुछ फूड प्रिजर्वेटिव्स शरीर में इन्फ्लेमेशन और ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ाते हैं। इससे ब्लड वेसल्स की इंटरनल लेयर को नुकसान पहुंचता

है और ब्लड प्रेशर बढ़ता है। इससे लंबे समय में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क बढ़ता है। हालांकि यह रिस्क प्रिजर्वेटिव की मात्रा, खानपान और लाइफस्टाइल पर निर्भर करता है। सवाल- फूड प्रिजर्वेटिव्स हार्ट के अलावा और किन अंगों को

(आईएनएस) कोड का यूज करता है। जब आप किसी पैकेट के पीछे 'इंग्रिडिएंट्स' लिस्ट देखते हैं, तो वहां ये कोड्स लिखे होते हैं। सवाल- इनमें से कौन-से प्रिजर्वेटिव्स रिस्की और कौन-से अपेक्षाकृत सुरक्षित होते हैं? जवाब- किसी भी प्रिजर्वेटिव की सुरक्षा उसके एक्सपेरेटल डेली इनटेक और सेवन की मात्रा पर निर्भर करती है। सोडियम नाइट्राइट, सोडियम नाइट्रेट और कुछ सल्फाइड्स का ज्यादा इन्टेक हेल्थ के लिए नुकसादायक हो सकता है। वहीं नियामक संस्थाएं साइट्रिक एसिड, एसिटिक एसिड, पोटेशियम सोर्बेट और कैल्शियम प्रोपियोनेट जैसे प्रिजर्वेटिव्स का तय सीमा में इस्तेमाल सुरक्षित मानती हैं। सवाल- पैकेट पर इंग्रिडिएंट्स लिस्ट में लिखे किन शब्दों से प्रिजर्वेटिव्स को पहचानें? जवाब- पैकेज्ड फूड खरीदते समय इंग्रिडिएंट्स लिस्ट जरूर पढ़ें। अगर 'पैकेज्ड फूड' में यूज होने वाले प्रिजर्वेटिव्स ग्राफिक में सभी मुख्य प्रिजर्वेटिव्स के नाम और उनका कोड नंबर दिया हुआ है। ये नंबर आपको याद होने चाहिए। एफएसएसआई एक तय सीमा के भीतर इन प्रिजर्वेटिव्स के इस्तेमाल की अनुमति देता है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि ये रेडीमेड फूड आप रोज खान सकते हैं। रोज पैकेज्ड फूड खाने का मतलब है कि आपके शरीर में रोज तय सीमा से बहुत ज्यादा प्रिजर्वेटिव्स जा रहे हैं। जब भी सुपरमार्केट से कोई फूड प्रोडक्ट खरीदें तो उसका लेबल जरूर पढ़ें। लेबल शुगर, कार्ब, प्रोटीन की मात्रा के साथ-साथ प्रिजर्वेटिव्स की डिटेल् देखें। जागरुक उपभोक्ता बनें। बिना जानकारी अपने पेट में कुछ भी न डालें।जवाब- नहीं, 'नो एडेड प्रिजर्वेटिव्स' का मतलब सिर्फ इतना है कि प्रोडक्ट में अलग से कोई प्रिजर्वेटिव नहीं मिलाया गया है। इसमें नमक, चीनी, सिरका या नींबू का रस जैसे नेचुरल प्रिजर्वेटिव हो सकते हैं। साथ ही पॉंचराइजेशन, रेफ्रिजरेशन या एयरटाइट पैकेजिंग जैसी तकनीकों से भी फूड को सुरक्षित रखा जा सकता है। सवाल- फूड प्रिजर्वेटिव्स से कैसे बचें? जवाब- फूड प्रिजर्वेटिव्स से बचने का एक ही तरीका है। हम अपने पेट के अंदर जो चीजें डाल रहे हैं, वह ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक हों। खेतों में उगी हो, पेड़ों से आई हो और फिर घर में उसे पकाया गया हो। वह फूड इंस्टॉल के द्वारा नार्मल माई न हो यानी पैकेज्ड फूड न हो। कुछ नेचुरल चीजें बिना आर्टिफिशियल केमिकल के भी फूड्स को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद करती हैं। जैसे-कि-नमक, चीनी, सिरका, नींबू का रस, शहद, सरसों का तेल, मसाले (हल्दी, लौंग, दालचीनी), रोजमेरी एक्सट्रैक्ट।

जवाब- लंबे समय तक स्ट्रेस और एंगजाइटी रहने पर शरीर जैसकि- थायरॉइड डिसऑर्डर विटिलिगो (एक ऑटोइम्यून सं गठन (डब्ल्यूएचओ) वेस मुताबिक, दुनिया में हर साल लाखों लोगों के बाल समय से पहले सफेद हो जाते हैं। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ' के मुताबिक, दुनिया के 25फीसदी से ज्यादा लोगों के बाल समय से पहले सफेद होते हैं। इसे प्रीमैच्योर ग्रेइंग कहते हैं। मेलांनिन की मात्रा कम होने पर बाल सफेद दिखने लगते हैं। आमतौर पर यह 40 की उम्र के बाद होता है। लेकिन अगर ये पहले ही हो रहा है तो इसे प्रीमैच्योर ग्रेइंग कहते हैं। इसके लिए जेनेटिक्स, खराब लाइफस्टाइल और न्यूट्रिशन की कमी जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में प्रीमैच्योर ग्रेइंग की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन वजहों से कम उम्र में बाल सफेद होते हैं? बालों को हेल्दी रखने के लिए खानपान में क्या बदलाव करें? क्या सफेद बाल फिर से काले हो सकते हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. विजय सिंघल, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मटोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- प्रीमैच्योर ग्रेइंग क्या है? जवाब- बालों का काला रंग मेलांनिन पिगमेंट से बनता है। उम्र बढ़ने के साथ बालों की जड़ें मेलांनिन बनाना कम कर देती हैं। इससे बाल सफेद दिखने लगते हैं। अगर यह प्रक्रिया 20-30 साल की उम्र में ही शुरू हो जाए तो इसे प्रीमैच्योर ग्रेइंग कहते हैं। अगर कम उम्र में बाल सफेद हो रहे हैं तो डॉक्टर से कंसल्ट करें। इसके पीछे जेनेटिक्स, न्यूट्रिशन की कमी, स्ट्रेस या कुछ हेल्थ कंडीशंस जैसे कारण हो सकते हैं। संतुलित डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल से इसे कंट्रोल किया जा सकता है।सवाल- किस उम्र में बाल सफेद होना सामान्य है? जवाब- अगर कोई जेनेटिक या हेल्थ प्रॉब्लम न हो

स्मोकिंग न करें-सिगरेट पीने से जल्दी सफेद होते बाल,ये 7 कारण भी जिम्मेदार, हेल्दी बालों के लिए 8 चीजें खाएं

नयी दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वेस मुताबिक, दुनिया में हर साल लाखों लोगों के बाल समय से पहले सफेद हो जाते हैं। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ' के मुताबिक, दुनिया के 25फीसदी से ज्यादा लोगों के बाल समय से पहले सफेद होते हैं। इसे प्रीमैच्योर ग्रेइंग कहते हैं। मेलांनिन की मात्रा कम होने पर बाल सफेद दिखने लगते हैं। आमतौर पर यह 40 की उम्र के बाद होता है। लेकिन अगर ये पहले ही हो रहा है तो इसे प्रीमैच्योर ग्रेइंग कहते हैं। इसके लिए जेनेटिक्स, खराब लाइफस्टाइल और न्यूट्रिशन की कमी जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में प्रीमैच्योर ग्रेइंग की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन वजहों से कम उम्र में बाल सफेद होते हैं? बालों को हेल्दी रखने के लिए खानपान में क्या बदलाव करें? क्या सफेद बाल फिर से काले हो सकते हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. विजय सिंघल, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मटोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- प्रीमैच्योर ग्रेइंग क्या है? जवाब- बालों का काला रंग मेलांनिन पिगमेंट से बनता है। उम्र बढ़ने के साथ बालों की जड़ें मेलांनिन बनाना कम कर देती हैं। इससे बाल सफेद दिखने लगते हैं। अगर यह प्रक्रिया 20-30 साल की उम्र में ही शुरू हो जाए तो इसे प्रीमैच्योर ग्रेइंग कहते हैं। अगर कम उम्र में बाल सफेद हो रहे हैं तो डॉक्टर से कंसल्ट करें। इसके पीछे जेनेटिक्स, न्यूट्रिशन की कमी, स्ट्रेस या कुछ हेल्थ कंडीशंस जैसे कारण हो सकते हैं। संतुलित डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल से इसे कंट्रोल किया जा सकता है।सवाल- किस उम्र में बाल सफेद होना सामान्य है? जवाब- अगर कोई जेनेटिक या हेल्थ प्रॉब्लम न हो



में स्ट्रेस हॉर्मोन बढ़ जाता है। इसके कारण- बालों की जड़ों में मौजूद मेलांनिन बनाने वाली सेल्स प्रभावित होती हैं। मेलांनिन कम बनने लगता है और बाल सफेद होने लगते हैं। तनाव से ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे मेलांनिन बनाने वाली सेल्स डैमेज हो सकती हैं। सवाल- क्या ज्यादा धूप में रहने

बीमारी, जिसमें त्वचा पर सफेद दाग हो जाते हैं।)। अन्य ऑटोइम्यून कंडीशंस रेयर जेनेटिक प्रॉब्लम्स सवाल- बाल काले रखने के लिए डाइट में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- बाल काले और स्वस्थ रखने के लिए ऐसी चीजें खाएं, जो विटामिन बी12, आयर्न, कॉपर, जिंक, फोलिक एसिड और प्रोटीन

जल्दी सफेद होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि ऐसा हर मामले में होगा। डाइट, लाइफस्टाइल, हेल्थ और एनवायरनमेंटल फैक्टर्स भी भूमिका निभाते हैं। सवाल- क्या हेयर कलर लगाने से बाल जल्दी सफेद होते हैं? जवाब- ऐसा जरूरी नहीं है,



तो व्यक्तिके बाल 30-40 की उम्र में सफेद होना शुरू होते हैं। 50 वर्ष की उम्र तक ज्यादातर लोगों के बाल सफेद या ग्रे हो जाते हैं। सवाल- प्रीमैच्योर ग्रेइंग की समस्या क्यों होती है? जवाब- जब स्कैल्व में मौजूद सेल्स पर्याप्त मेलांनिन नहीं बना पाती हैं या बनाना बंद कर देती हैं तो बाल सफेद होने लगते हैं। इसकी कई वजहें हो सकती हैं। स्मोकिंग, जेनेटिक्स, न्यूट्रिएंट्स की कमी, पॉल्यूशन, स्ट्रेस और एंगजाइटी, यूवी रेज एक्सपोजर, थायरॉइड प्रॉब्लम। सवाल- किन विटामिन्स और मिनरल्स की कमी से बाल सफेद हो सकते हैं? इन न्यूट्रिएंट्स की कमी से सफेद होते बाल:- विटामिन बी12, विटामिन डी, फोलेट, जिंक, आयर्न, कॉपर। सवाल- स्ट्रेस और एंगजाइटी के कारण बाल क्यों सफेद होते हैं?

से बाल सफेद हो सकते हैं? जवाब- हां, बहुत ज्यादा धूप (यूवी रेज) के एक्सपोजर से बालों को नुकसान हो सकता है। यूवी रेज ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ाती है, जिससे मेलांनिन को नुकसान हो सकता है। हालांकि, आमतौर पर केवल धूप प्रीमैच्योर ग्रेइंग की मुख्य वजह नहीं होती है। जेनेटिक्स, न्यूट्रिशन की कमी और अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स ज्यादा बीमारी के कारण भी बाल सफेद हो सकते हैं?जवाब- हां, कुछ बीमारियों के कारण मेलांनिन बनाने वाली सेल्स प्रभावित हो सकती हैं, जिससे बाल समय से पहले सफेद हो सकते हैं।

से भरपूर हों। हेल्दी बालों के लिए क्या खाएं? दूध-दही, हरी सब्जियां, दालें, ड्राई फ्रूट्स, बीन्स, फल, अंडे, मछली। सवाल- बाल काले रखने के लिए ओवरऑल लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- इसके लिए लाइफस्टाइल में ये जरूरी बदलाव करें- पर्याप्त नींद लें- रोज 7-9 घंटे की नींद शरीर की रिकवरी और सेल्स लिए जरूरी है। स्ट्रेस मैनेज करें- योग, मेडिटेशन और डीप ब्रीदिंग से मदद मिलती है। रेगुलर एक्सरसाइज करें- ब्लड फ्लो और ओवरऑल हेल्थ बेहतर रहती है। बैलेंस्ड डाइट लें- बालों के लिए विटामिन्स, मिनरल्स और प्रोटीन से भरपूर डाइट जरूरी है। केमिकल्स और हीट से बचें- बार-बार डाई, ब्लीच या हीट स्टाइलिंग बालों को डैमेज कर सकती है। स्मोकिंग न करें- इससे प्रीमैच्योर ग्रेइंग का रिस्क बढ़ता है। हेल्दी बालों के लिए क्या करें? प्रोटीन रिच डाइट लें,

क्योंकि हेयर कलर से मेलांनिन प्रोडक्शन प्रभावित नहीं होता है। इसलिए सीधे तौर पर इसके कारण बाल जल्दी सफेद नहीं होते हैं। हालांकि, बार-बार या गलत तरीके से हेयर कलर, ब्लीच और केमिकल्स के इस्तेमाल से बाल रुखे, कमजोर या डैमेज हो सकते हैं। सवाल- बाल सफेद होने के साथ किन लक्षणों पर डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए? जवाब- डॉक्टर से कंसल्ट करें, अगर- कम उम्र में अचानक तेजी से बाल सफेद होने लगे। बाल सफेद होने के साथ बहुत झड़ रहे हों। प्रीमैच्योर ग्रेइंग के साथ बहुत थकान, कमजोरी लग रही हो। वजन अचानक बढ़ या घट रहा हो। स्किन पर सफेद धब्बे भी दिखाई दें। ठंड या गर्मी असामान्य रूप से ज्यादा लगे। फॉर्मिली में थायरॉइड या ऑटोइम्यून डिजीज की हिस्ट्री हो।

देश में युवाओं का बढ़ता आक्रोश हमें कुछ बताता है

आज सब तरफ कॉकरोच शब्द की चर्चा है। किन्तु इसके हमारे राजनीतिक शब्दकोश का हिस्सा बनने से बहुत पहले ही मैं इस शब्द का उपयोग करता आ रहा हूं। ईश्वर न करे, लेकिन

रखता है। यह तथ्य कि एक अपेक्षाकृत अनजान पोलिटिकल कम्युनिकेशन स्टूडेंटिस्ट द्वारा किसी अमेरिकी विश्वविद्यालय में बैठकर शुरू किया गया एक व्यंग्यात्मक आंदोलन अचानक

सिद्धांततः यथास्थिति के लिए खतरा नहीं होना चाहिए। फिर भी खतरा क्यों महसूस किया जा रहा है? सीजेपी पर विदेशी फंडिंग से संचालित होने का आरोप लगाया जा रहा है। झूठा

है कि इंटरनेट के ये कॉकरोच किसी लिखी हुई पटकथा का पालन करने से इंकार कर रहे हैं। दूसरे, युवाओं का आक्रोश चुनावी दृष्टि से महत्व रखता है। ऊंची जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों और उग्र राष्ट्रवाद के शोर के पीछे एक ऐसी पीढ़ी मौजूद है, जो गहरी असुरक्षा से जूझ रही है। लाखों शिक्षित युवा रोजगार के घटते अवसरों, परीक्षाओं के बढ़ते दबावों और ऐसी अर्थव्यवस्था का सामना कर रहे हैं, जहां स्थायी नौकरी पाना लगातार दूर की कौड़ी बनता जा रहा है। बहुतों के लिए यह निराशा अब चिरस्थायी हो चुकी है। उन्हें लगता है कि राजनेता उन्हें केवल चुनावों के समय ही देखते हैं और केवल तभी सुनते हैं, जब वे विरोध-प्रदर्शन करते हैं। यह आक्रोश केवल वैचारिक ही नहीं है, यह कई मायनों में व्यक्तिगत भी है।

यह हालिया चुनावों में भी स्पष्ट दिखाई दिया, विशेषकर तमिलनाडु में, जहां विजय की लोकप्रियता ने पारम्परिक राजनीति से तंग आ चुके युवा मतदाताओं को बड़े पैमाने पर आकर्षित किया। पूरे भारत में युवा मतदाता अब पुराने और जड़ राजनीतिक विचारों को लगातार अस्वीकार कर रहे हैं। वे ताजगी, प्रामाणिकता और भावनात्मक जुड़ाव की तलाश में हैं। मीम-संस्कृति उनके प्रतिरोध की भाषा बन चुकी है। और याद रहे कि व्यंग्य हमेशा राजनीतिक हथियार साबित होता है। अधिनायकवादी व्यवस्थाएं हास्य-व्यंग्य के सामने खुद को आश्चर्यजनक रूप से असुरक्षित ही पाती हैं। पूरे भारत में ही युवा मतदाता अब पुराने और जड़ राजनीतिक विचारों को लगातार अस्वीकार कर रहे हैं। वे ताजगी, प्रामाणिकता और भावनात्मक जुड़ाव की तलाश में हैं। मीम-संस्कृति उनके प्रतिरोध की भाषा बनती जा रही है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,राजदीप सरदेसाई)



कल किसी परमाणु विस्फोट में दुनिया नष्ट हो जाए, तब भी केवल कॉकरोच ही जीवित बचेंगे। एक ग्रेट-सर्वाइवर से राजनीतिक प्रतिरोध के प्रतीक तक, कॉकरोचों ने एक लंबी यात्रा तय की है। कॉकरोच जनता पार्टी या सीजेपी का उदय उस व्यवस्था के प्रति बढ़ते जनाक्रोश को दर्शाता है, जो इतनी खण्डित हो चुकी है कि प्रदर्शनकारियों को लोकतंत्र पर मंडराते खतरों की ओर संकेत करने के लिए एक कीड़े की छवि का सहारा लेना पड़ा है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जिसमें नेतागण सम्राटों की तरह व्यवहार करने लगे हैं और विपक्ष कोई विश्वसनीय चुनौती पेश नहीं कर पा रहा है। इसी शून्य में कॉकरोच रेंगता हुआ प्रवेश करता है- एक ऐसा प्राणी, जिससे हमें घृणा करना और डरना सिखाया गया और फिर भी जो हर तरह की विपत्ति के बीच जीवित रहने की क्षमता

सत्ता गलियारों में बेचैनी पैदा कर दे, अपने आप में बहुत कुछ बताता है। आखिर एक शक्तिशाली राष्ट्र को मुख्य न्यायाधीश की गैर-जरूरी टिप्पणी से उपजे ऑनलाइन-आंदोलन से चिंतित क्यों होना चाहिए? भारत के बेरोजगार युवाओं का मानो उपहास करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने अनजाने में एक तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दे दिया : क्रोध, अलगाव और व्यंग्य से संचालित एक डिजिटल विद्रोह। तब से लाखों युवा भारतीय इसके इर्द-गिर्द एकजुट हो चुके हैं। इस पूरी घटना को विशेष रूप से दिलचस्प बनाने वाली बात यह है कि सीजेपी वास्तव में कोई राजनीतिक दल नहीं है। उसका न कोई नेता है, न कार्यालय, न कार्यकर्ता-तंत्र, न कोई संगठनात्मक ढांचा। 1.5 अरब की आबादी और असाधारण विविधता वाले इस देश में केवल साइबर-स्पेस में मौजूद एक आंदोलन को

दावा किया जा रहा है कि उसके अनेक समर्थक पाकिस्तानी हैं। उसके सोशल मीडिया हैंडल्स को ब्लॉक किया जा रहा है। कुछ लोगों ने तो उसे आम आदमी पार्टी का प्रॉक्सी सिद्ध करने की भी कोशिश की। यह सब एक प्रकार की संशयग्रस्त मानसिकता को उजागर करता है। इस घबराहट के पीछे कई कारण हैं। अवलोक तो यही कि यह काफी हद तक नैरेटिव को कंट्रोल करने का दौर है। इस दौर का राजकाज चौबीसों घंटे चलने वाले किसी विज्ञापन-अभियान जैसा प्रतीत होता है : उपलब्धियों का प्रचार करो, विफलताओं को दबा दो, नारे बदलो और आगे बढ़ जाओ। करोड़ों नौकरियां जिनका वादा किया गया था नहीं मिलीं, किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, पेपर लीक लगातार जारी है- लेकिन नैरेटिव-प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि आम धारणा, प्रदर्शन पर भारी पड़े। ऐसे में यह चीज परेशान करने वाली लग सकती

शिक्षित बेटी पूरी अगली पीढ़ी को शिक्षित और आर्थिक रूप से सुरक्षित करती है

लैंपटॉप के सामने बैठी गृहिणी स्पष्टतः उत्साह से भरी आवाज में अपने पति को आवाज देती है, 'आशुतोष, हमारा पहला ऑर्डर।' पति स्क्रिन की ओर दौड़ते हैं, जैसे उन्हें सुनी हुई बात पर यकीन न हो। उनके नए चटनी के कारोबार को पहला ऑनलाइन ऑर्डर मिला है। यह दृश्य कल समाप्त हुए आईपीएल के दौरान दिखाए गए लोकप्रिय विज्ञापन 'रेड्डी वर्सेस रिटायरमेंट' का है, जिसमें एक रिटायर्ड कपल एआई की मदद से कारोबार शुरू करता है। यह तकनीक लेबल और पैकेजिंग डिजाइन से लेकर उत्पादों का प्रचार करने वाली वेबसाइट तक बना देती है। यह विज्ञापन मजबूत संदेश देता है कि कुछ नया शुरू करने और परिवार में आर्थिक योगदान देने के लिए कभी बहुत देर नहीं होती। लेकिन आठ साल पहले महाराष्ट्र के बारामती की 30 वर्षीय मनीषा कांबटे के पास लेबल डिजाइन करने और वेबसाइट बनाने का कोई एआई

होमटाउन से 322 किलोमीटर दूर पुरंदर चली गई।नया जीवन 17 सदस्यों वाले एक संयुक्त परिवार में शुरू हुआ, जहां सभी वित्तीय फैंसले परिवार के सबसे बड़े सदस्य लेते थे। चाहे 100 रुपए हों या 1 रुपया, हर खर्च के लिए अनुमति जरूरी थी। परिवार के युवा सदस्यों को बहुत कम आर्थिक स्वतंत्रता थी। मनीषा को सबसे ज्यादा दुख तब होता, जब वे अपने स्कूल जाने वाले तीन बच्चों को कॉकलेट या स्नैक्स खरीदने के थोड़े-से पैसे भी नहीं दे पाती थीं। इन्हीं पलों ने उनके भीतर आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने का संकल्प मजबूत कर दिया। चूंकि उन्होंने खुद कई अवसर छुटते देखे थे, इसलिए वे चाहती थीं कि उनकी दो बेटियां और बेटे के पास जीवन में बेहतर विकल्प हों। अनेक ग्रामीण परिवारों की तरह उनका परिवार भी मानसून से पहले सालभर के मसाले तैयार करता था। मनीषा में मसाले मिलाने की स्वाभाविक प्रतिभा थी और उनके

बजाय बिजनेस में समय देने के उनके फैंसले पर सवाल उठाने लगे। कई लोगों ने उनके विफल



होने की भविष्यवाणी तक कर दी। लेकिन उन्होंने बहस न करने का निर्णय किया। दिन में वे बहू

उद्यम हर आठ दिन में 2 टन अचार और 200 किलो मसाले बनाता है। बिजनेस पूर्रतः



होने की भविष्यवाणी तक कर दी। लेकिन उन्होंने बहस न करने का निर्णय किया। दिन में वे बहू

पंजीकृत है, खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करता है और उनके पास सभी जरूरी प्रमाणपत्र हैं।



दूल नहीं था। फिर भी उन्होंने मसालों और अचार का ऐसा सफल कारोबार खड़ा किया, जिसने वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 1 करोड़ रुपए का कारोबार किया।किसान परिवार में जन्मी मनीषा ने कम उम्र में ही पिता को खो दिया था। इसके बावजूद उन्होंने अच्छे-से पढ़ाई की और दसवीं तक की शिक्षा पूरी की। लेकिन सामाजिक अपेक्षाओं ने उनके लिए दूसरा रास्ता तय कर रखा था। वे अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ातीं, इससे पहले ही उनकी शादी हो गई और वे अपने

मसाले खास स्वाद के चलने लोकप्रिय होने लगे। शुरुआत में ग्रामीण महिलाएं उन्हें कच्चा माल देती थीं और वे मसाले पीसने व मिलाने के बदले प्रति किलोग्राम 30 रुपए कमाने लगीं। उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट तब आया, जब एक राष्ट्रीयकृत बैंक ने 35 महिलाओं के लिए मसाला उत्पादन प्रशिक्षण आयोजित किया। मनीषा ने इसमें हिस्सा लेकर बिजनेस की बुनियादी बातें सीखीं और गांव में अपने उत्पाद बेचने लगीं। उनका सफर आसान नहीं था। परिजन और पड़ोसी खेती और घरेलू जिम्मेदारियों के

की जिम्मेदारियां निभातीं और रात में अचार-मसाले बनाती थीं। उन्हें असली सफलता तब मिली, जब उन्होंने महाराष्ट्र, राज्‍य ग्रामीण आजीविका मिशन के उमेद अभियान के तहत एक महिला स्वयं सहायता समूह जॉइन किया। इस समूह के जरिए उन्होंने छोटा-सा ऋण लिया, उपकरण खरीदे और स्थानीय मेलों में उत्पाद बेचने लगीं। इसका उत्पादनजनक रेस्‍पॉन्‍स मिला। मांग बढ़ी तो उन्होंने और ऋण लिए, कारोबार बढ़ाया और 20 महिलाओं को रोजगार दिया। आज उनका

हालांकि, सबसे संतोषजनक उपलब्धि कारोबार के आंकड़े नहीं हैं। उनकी दोनों बेटियां अब ग्रेजुएट हैं और बेटा 11वीं में पढ़ रहा है। वे खुद के लिए जो आर्थिक आजादी तलाश रही थीं, वही उनकी भावी पीढ़ी के लिए शिक्षा के अवसरों में बदल गई। फंडा यह है कि एक बेटी को शिक्षित कीजिए तो वह न सिर्फ खुद का जीवन स्तर ऊपर उठाती है, बल्कि पूरे परिवार के लिए अधिक शिक्षित, आत्मविश्वास से भरा और आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य भी तैयार करती है। (एन. रघुरामन)

क्या आप कामकाजी महिलाओं के दोहरे बोझ को कम करने के बारे में सोच रहे हैं?

शुक्रवार को अधिकांश अंतरराष्ट्रीय अखबारों के पहले पन्ने पर शीर्ष वरीयता प्राप्त जानिक सिनर की तस्वीर छपी थी, जिन्हें फ्रेंच ओपन जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा

‘सेकंड शिफ्ट’ करने घर लौटती हैं, तो गर्मी और थकान उनकी सारी ऊर्जा चूस लेती है। यह ऐसा काम है, जिसमें कोई छुट्टी नहीं मिलती। उनका कहना था कि वे प्रतिदिन इस दबाव के नीचे

एक आधुनिक पेशेवर की तरह कमाएं भी और एक पारंपरिक गृहणी की तरह सेवा भी करें। जब ये कामकाजी महिलाएं रसोइयों, सफाईकर्मियों या आया जैसी घरेलू सहायिकाओं

व्यक्ति से पर्याप्त आराम या सहयोग के बिना दो फुल-टाइम भूमिकाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है, तो उसका परिणाम मानसिक और भावनात्मक थकान के रूप



था। लेकिन इसकी वजह यह नहीं थी कि उन्होंने पिछले दिन कोई मैच जीता था, बल्कि यह थी कि वे विश्व रैंकिंग में 56वें स्थान पर मौजूद हुआन मानुएल सीरुन्दोले से हार गए थे। अधिकांश अखबारों ने उनकी हार का कारण यह बताया कि ‘झूलसा देने वाली धूप ने फिलिप-शात्रिये कोर्ट को एक विशाल बेंगटे ओवन में बदल दिया था और सिनर की हालत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो गया था।’ मैच के बाद सिनर ने कहा, ‘मुझे याद नहीं आखिरी बार मैं कब इतना कमजोर महसूस कर रहा था। मैं पूरी तरह थक चुका था- मेरा पूरा शरीर जवाब दे रहा था।’ अधिकांश समाचार पत्रों और खेल पत्रकारों ने उनकी हार के लिए भीषण गर्मी को ही जिम्मेदार ठहराया। वास्तव में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी तीसरे सेट में जीत से केवल एक गेम दूर थे, और ठीक उसी समय गर्मी ने उनकी सारी ऊर्जा सोख ली। इसे पढ़ते ही मुझे वुछ विश्वविद्यालय प्राध्यापिकाओं और स्कूल शिक्षिकाओं की याद आ गई, जो बताती रहती हैं कि दिनभर का पेशेवर काम पूरा करने के बाद जब वे अपनी

निढाल हो जाती हैं और उनकी थकान को समझने या बांटने वाला कोई नहीं होता। और वे बिल्कुल सही थीं। अनेक कंजर्वैटिव या पारंपरिक परिवार गर्व के साथ कामकाजी बहू को स्वीकार तो कर लेते हैं, परंतु इसका प्रमुख कारण अकसर उससे मिलने वाला आर्थिक लाभ या सामाजिक प्रतिष्ठा होता है। लेकिन यह स्वीकृति प्रायः शर्तों के साथ आती है। मूल धारणा यही बनी रहती है कि उसके जॉब को पारंपरिक घरेलू बुनावट या परिवार की सुविधाओं में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं डालना चाहिए। समाज और मीडिया द्वारा गढ़े गए सुपरवुमन के मिथक ने आदर्श भारतीय महिला का एक अवास्तविक मानक स्थापित कर दिया है, जो मानो बिना किसी कठिनाई के सब कुछ हासिल कर सकती है। यदि वे सहायता मांगें, घरेलू कामकाज को किसी और से साझा करने का प्रयास करें या अपनी थकान जाहिर करें, तो इसे अकसर उनकी नाकामी या परिवार के प्रति समर्पण की कमी के रूप में देखा जाता है। जिस प्रकार कोई विश्व नंबर एक खिलाड़ी भीषण गर्मी में हमेशा जीत नहीं सकता, उसी प्रकार इन युवा महिलाओं से यह अपेक्षा करना भी अवास्तविक है कि वे

को नियुक्त करके अपनी समय की कमी की समस्या का समाधान करने का प्रयास करती हैं, तो उन्हें अकसर प्रतिरोध या आलोचनात्मक निगरानी का सामना करना पड़ता है। परिवार के सदस्य बाहर के सहायकों द्वारा किए गए कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठा सकते हैं, उसमें अत्यधिक हस्तक्षेप कर सकते हैं, या फिर सूक्ष्म रूप से कामकाजी महिलाओं को यह संकेत देकर उनमें अपराध-बोध पैदा कर सकते हैं कि उनके कारण परिवार उपेक्षित हो रहा है या परायों के हाथ का खाना खा रहा है। दूसरी ओर- विशेषकर उभरते हुए शहरों की टाउनशिप में रहने वाले कुछ वरिष्ठ सदस्य- जो कठोर जेंडर भूमिकाओं वाले युग में बड़े हुए हैं, अकसर उन्हीं पैटर्न्स को आगे बढ़ाते हैं, जिन्हें उन्होंने स्वयं झेला था। यदि सास ने अपने समय में पूरा घर अकेले संभाला था, तो ऐसे परिवारों में नई बहूओं द्वारा काम के बंटवारे की मांग को कभी-कभी अधिकार-बोध या आलस्य के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, परिवार की शक्ति-संरचनाएं भी किसी नई दुल्हन के लिए घरेलू कामकाज की जिम्मेदारियों को सम्भालना बहुत मुश्किल बना देती हैं। जब किसी

में सामने आता है। ऐसी महिलाएं एक निरंतर ‘ऑलवेज ऑन’ वाली अवस्था में जीती हैं, जहां उन्हें सही मायनों में आराम करने का बहुत कम अवसर मिलता है। उनका मन लगातार एक मानसिक चेकलिस्ट का प्रबंधन करता रहता है- ऑफिस की डेडलाइंस के साथ-साथ घर की जरूरतों- जैसे किराने का सामान, बच्चों की देखभाल और भोजन की योजना। धीरे-धीरे यह स्थिति एक टाइम-डिसीज का रूप ले लेती है, जो वस्तुतः इस मनोवैज्ञानिक अनुभूति को दर्शाती है कि समय कभी भी काफी नहीं होता।इसका परिणाम लगातार भाग-दौड़, अत्यधिक सतर्कता और अवकाश के क्षणों में भी आराम न कर पाने के रूप में सामने आता है। कामकाजी महिलाओं पर पड़ने वाले इस दोहरे बोझ को कम करने के लिए घरेलू स्तर पर तत्काल बदलाव, जीवनसाथी का सहयोग और परिवारों के कम्युनिकेट करने के तरीके में परिवर्तन- इन तीनों की आवश्यकता है। फंडा यह है कि जिस प्रकार खेल जगत अपने किसी चैंपियन के पीछे मजबूती से खड़ा होता है, उसी प्रकार हमें भी अपनी बहूओं के पीछे खड़ा होना चाहिए- क्योंकि वे भी हमारी बेटियां ही हैं। एन. रघुरामन

हमें क्या चाहिए- संस्कृति में बदलाव या सख्त कार्रवाई

1. मैं डॉक्टर बनना चाहता था। मैं हमेशा अच्छे नंबर लाने के लिए पढ़ाई करता था। लेकिन जापानियों ने मुझे बताया कि पढ़ाई क्यों जरूरी है। वहां

संस्थानों का दौरा किया। जापानी हाईस्कूल छात्रों के साथ सामाजिक गतिविधियों में शामिल हुए और वहां की संस्कृति को महसूस किया। उसी गुरुवार को

ज्ञान से मापते हैं। जबकि जापान में, खासकर शुरुआती और विशेष विकास के चरणों में, सफलता इससे मापी जाती है कि बच्चा अपनी रोजमर्रा की



शिक्षा का मूल सिद्धांत यह है कि तकनीक में प्रगति जिज्ञासा की वजह से हुई है।’ 2. ‘पूरा देश स्वच्छ है। हमें वहां प्लास्टिक का टुकड़ा भी नहीं दिखेगा। मैं उनकी दयालुता, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना से बहुत प्रभावित हुआ।’ 3. ‘मैं जापानियों का सिविक सेंस देखकर हैरान रह गया। वहां लोगों के चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती है।’ ये बातें किसी महान शख्सियत ने नहीं कहीं, बल्कि गुरुवार को ये प्रतिक्रियाएं कनाटक के उन तीन स्टूडेंट्स की थीं, जो 56 भारतीय छात्रों के समूह के साथ काशिवा स्थित शिबुरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गए थे। वहां उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेताओं समेत प्रमुख वैज्ञानिकों की विशेष कक्षाओं में हिस्सा लिया। जापान की प्रमुख यूनिवर्सिटीज और रिसर्च

इस जगह से मीलों दूर कोलकाता में राज्य की नगरीय मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने घोषणा की कि ‘अगले तीन महीने हम जागरूकता और इफ़ास्ट्रक्चर निर्माण अभियान चलाएंगे। लोगों से आग्रह करेंगे कि वे सड़कों पर कचरा न फेंकें। तीन माह बाद 1 सितंबर से कचरा फेंकाने वालों पर जुर्माना लगाएंगे। इन बच्चों के चेहरे पर हमेशा बंधा कि वहां के स्कूलों में सिविक रेस्पोन्सिबिलिटी, नैतिकता, सहानुभूति और धैर्य सिखाने पर ज्यादा जोर दें हैं। यह उस अनुभव से बिल्कुल अलग था, जिसके ये स्टूडेंट आदी थे। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स, बोर्ड परीक्षाओं और कम उम्र से अंग्रेजी की दक्षता को अत्यधिक प्राथमिकता दी जाती है। भारत में सफलता को अकसर नंबर, रैंक और किताबी

जिंदगी कितने अच्छे-से संभालता है, टीम को कितना सहयोग करता है और कितनी भावनात्मक मजबूती दिखाता है। अगर वहां के पाठ्यक्रम को करीब से देखें तो उसे जानबूझकर ऐसा बनाया गया है, ताकि स्वतंत्र और सिविक-माइंडेड व्यस्क तैयार किए जा सकें। वहां कुकिंग और सिलाई भी सिखाई जाती है, जिसे ‘कतैका’ कहते हैं। यह कोई बेकार विषय नहीं, बल्कि ‘होम इकॉनॉमिक्स’ के तौर पर जापान में लड़के और लड़कियां दोनों के लिए अनिवार्य विषय हैं। स्टूडेंट्स इसे सिर्फ इसलिए नहीं सीखते कि बड़े होकर वैरेंटस या घरेलू सहायकों पर निर्भर न रहें, बल्कि इसमें वे न्यूट्रिशनल बैलेंस, बजटिंग और कपड़ों की मरम्मत सीखते हैं। फिर आता है संगीत और खेल। वे इसे बौद्धिक विकास, भावनात्मक अभिव्यक्ति और सामूहिक सामंजस्य का जरूरी

साधन मानते हैं। जापान में बचपन में भारी अकादमिक परीक्षाओं को जानबूझकर टाला जाता है। वहां मान्यता है कि स्कूल के शुरुआती सालों में बच्चों को परीक्षा के अंकों के आधार पर ‘स्मार्ट’ और ‘स्ट्रगलिंग’ श्रेणियों में बांटने के बजाय उनमें चरित्र, व्यवहार और समाज के प्रति लगाव को विकसित करना चाहिए। जापानी शिक्षा मंत्रालय इन व्यवस्थाओं को स्पष्ट रूप से ‘इकिस चिकावा’ नामक सिद्धांत के इर्द-गिर्द बुनता है, जिसका अर्थ है- ‘जीने का उत्साह।’ इसका उद्देश्य तीन मुख्य स्तंभों के बीच संतुलन बनाना है। 1. शैक्षणिक योग्यता, महज रटने के लिए नहीं बल्कि समस्या सुलझाने के लिए। 2. समृद्ध मानवीय गुण, यानी नैतिकता, सहानुभूति और नागरिक जिम्मेदारी। 3. स्वास्थ्य और शारीरिक मजबूती, जो दृढ़ता और आत्मअनुशासन लाती है। जापानी स्कूलों का मतलब अकादमिक पढ़ाई से कहीं ज्यादा है। वे चरित्र निर्माण के संपूर्ण तंत्र के जैसे काम करते हैं, जहां नैतिकता, नागरिक कर्तव्य और सख्त सामाजिक अनुशासन को रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल किया जाता है। किताबों से परे स्टूडेंट्स स्कूल चलाने में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, कठोर क्लब गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। फंडा यह है कि यह लड़ाई नैतिकता और दबाव के बीच की है। अगर आप भावी पीढ़ी के लिए यह जंग जीतना चाहते हैं तो उन्हें स्कूली दिनों में ही सहानुभूति का पाठ पढ़ाना चाहिए, ताकि हमें कार्रवाई के लिए कानून बनाने को मजबूर न होना पड़े। एन. रघुरामन

बीजेपी की नई टीम में यूपी के 8 चेहरे, 2-मुस्लिम-सबसे ज्यादा तीन महिलाएं, हरीश द्विवेदी और बासित अली का प्रमोशन

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार दोपहर 3 बजे अपनी नई टीम का ऐलान कर दिया। राष्ट्रीय

शाह और जेपी नड्डा के साथ-साथ संघ के करीबी नेताओं में गिनती होती है। केंद्रीय नेतृत्व के भरोसेमंद नेताओं में शामिल।

मौर्य को जगह मिली है। पश्चिमी यूपी से प्रो. तारिक मंसूर, कुंवर बासित अली और भोला सिंह को संगठन में काम



टीम में यूपी के 8 नेताओं को जगह मिली है। ओबीसी और अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष यूपी से हैं। अगले साल यूपी में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसलिए पार्टी ने चुनाव को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय टीम बनाई है। अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा तीन महिलाएं स्मृति ईरानी, रेखा वर्मा और संगीता यादव यूपी से हैं। पसमांदा मुस्लिम वर्ग से दो नेताओं को राष्ट्रीय संगठन में जगह मिली है।

इनमें अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति डॉक्टर तारिक मंसूर और अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली शामिल हैं। तारिक मंसूर को दोबारा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। कुंवर बासित का प्रमोशन हुआ है।

वे अभी तक यूपी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष थे। जातिगत समीकरण की बात करें तो सामान्य वर्ग से एक ब्राह्मण, एक पारसी, एक एससी, तीन ओबीसी (यादव, कुर्मी, मौर्य) को जगह मिली है।

7 महीने पहले नितिन नवीन भाजपा के अध्यक्ष बने थे, तब से राष्ट्रीय टीम का गठन पेंडिंग था। कौन किसका खास, समझिये-स्मृति ईरानी : पीएम मोदी के करीबी नेताओं में गिनती।

अमेठी में राहुल गांधी के खिलाफ प्रमुख चेहरा रहें। हरीश द्विवेदी : गृहमंत्री अमित

रेखा वर्मा : केंद्रीय नेतृत्व के करीबी में गिनती होती है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दोबारा बनाई गई। यह संगठन में स्वीकार्यता का संकेत है। किसी खास गुट से नाता नहीं है। तारिक मंसूर : मोदी-भाजपा की मुस्लिम आउटरीच लाइन के नेता हैं। एएमयू के पूर्व वीसी होने के कारण भाजपा ने उन्हें मुस्लिम समाज खासकर पसमांदा वर्ग को साधने के लिए दूसरी बार मौका दिया है।

भोला सिंह : केंद्रीय संगठन और दलित रणनीति के चलते जगह मिली है। बुलंदशहर से लगातार तीन बार सांसद हैं। ए मोर्चे में राष्ट्रीय स्तर पर काम कर चुके हैं।

उनका राजनीतिक उपयोग मुख्यतः दलित प्रतिनिधित्व से जुड़ा है। संगीता यादव : पाँच आईआरएस अफसर हैं। गुटबाजी से दूर रहती हैं। महिला और यादव चेहरे के रूप में पार्टी की सोशल इंजीनियरिंग में उपयोगी साबित होंगी। अमरपाल मौर्य : डिप्टी सीएम केशव प्रसाद के खास लोगों में गिनती होती है। उमा भारती के साथ भी काम कर चुके हैं।

कुंवर बासित अली : आरएसएस-मुस्लिम राष्ट्रीय मंच से जुड़े रहे और भाजपा के मुस्लिम संपर्क अभियान का चेहरा रहे। उनकी गिनती अमित शाह के भरोसेमंद नेताओं में होती है।

केंद्रीय समीकरण पर भी साथे गए-पूर्वांचल से संगीता यादव, हरीश द्विवेदी, अमरपाल

करने का मौका मिला है। जबकि रूहेलखंड से रेखा वर्मा, यूपी मध्य से स्मृति ईरानी को जगह देकर यूपी को साधा गया है। यूपी के नेताओं को क्यों मिली अहमियत? उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में है। 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं और 403 विधानसभा सीटों वाला यूपी देश का सबसे बड़ा विधानसभा वाला राज्य है। लोकसभा में भी यूपी की 80 सीटें हैं। ऐसे में राष्ट्रीय संगठन में यूपी के नेताओं की मौजूदगी का सीधा असर आने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर पड़ सकता है।

भाजपा संगठन में यूपी के नेताओं को जिम्मेदारी देने के पीछे क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरण भी अहम माने जा रहे हैं।

हरीश द्विवेदी और रेखा वर्मा को दोबारा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना पार्टी के पुराने संगठनात्मक अनुभव और चुनावी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। नितिन नवीन की टीम में सबसे ज्यादा यूपी से 3 महिलाएं-बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में 12 महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें महामंत्री स्मृति ईरानी, उपाध्यक्ष रेखा वर्मा और राष्ट्रीय मंत्री संगीता यादव शामिल हैं।

यानी सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश की 3 महिलाओं का है, जबकि महाराष्ट्र की 2 और बाकी राज्यों की 1-1 महिला हैं।

ईरान से समझौते को लेकर खाड़ी देश ट्रम्प से नाराज,बातचीत का नतीजा नहीं निकलने से सहयोगी देशों की बढ़ी बेचैनी

वॉशिंगटन डीसी। ईरान के साथ समझौते की अमेरिकी कोशिशों से उसके कुछ खाड़ी

होर्मुज को सैन्य ताकत से खोलने की अमेरिकी योजना का विरोध किया था। सऊदी क्राउन प्रिंस



सहयोगी निराश हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इन देशों को लग रहा है कि लंबे समय से बातचीत चलने के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई पक्का समझौता नहीं हो पाया है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के ट्रम्प से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ट्रम्प के खाड़ी देशों के नेताओं के साथ अच्छे रिश्ते हैं और युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका लगातार उनके संपर्क में है। ट्रम्प ने फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी से इंकार किया-एक्सियोस के मुताबिक, ट्रम्प ने पिछले हफ्ते कहा था कि अमेरिका फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ 'आधी-अधूरी बातचीत' कर रहा है और वहां के खराब आर्थिक समीकरण भी अहम माने जा रहे हैं।

हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के ट्रम्प से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ट्रम्प के खाड़ी देशों के नेताओं के साथ अच्छे रिश्ते हैं और युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका लगातार उनके संपर्क में है।

ईरानी सरकारी टीवी से बातचीत में उन्होंने कहा कि दोनों देश ईरान की अंदरूनी समस्याओं का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने पड़ोसी खाड़ी देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने पर भी जोर दिया। होर्मुज स्ट्रेट खोलने पर अटका समझौता-अमेरिका और ईरान की बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट अहम मुद्दा बना हुआ है। ट्रम्प चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट तुरंत और पूरी तरह खोला जाए।

वहीं, ईरान की मांग है कि अमेरिका पहले अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाए और ईरान के पास तैनात अमेरिकी सैनिकों को पीछे करे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज को लेकर बातचीत चल रही है।

इसमें समुद्र में जहाजों के लिए रास्ता तय करने जैसे तकनीकी मुद्दों पर चर्चा हो रही है। उन्होंने साफ किया कि यह बातचीत अमेरिका के साथ चल रही बातचीत से अलग है।

मोहम्मद बिन सलमान ने भी ट्रम्प से फोन पर बात कर सैन्य कार्रवाई नहीं करने की अपील की थी। कतर ने ईरान, अमेरिका और ओमान के बीच बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। कतर के अधिकारियों ने ट्रम्प को बताया था कि ईरान ने होर्मुज को लेकर एक प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। ईरान का आरोप-अमेरिका और इजराइल खाड़ी देशों के अमेरिका और इजराइल खाड़ी देशों के खिलाफ करने की कोशिश कर रहे हैं। ईरानी सरकारी टीवी से बातचीत में उन्होंने कहा कि दोनों देश ईरान की अंदरूनी समस्याओं का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने पड़ोसी खाड़ी देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने पर भी जोर दिया। होर्मुज स्ट्रेट खोलने पर अटका समझौता-अमेरिका और ईरान की बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट अहम मुद्दा बना हुआ है। ट्रम्प चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट तुरंत और पूरी तरह खोला जाए।

वहीं, ईरान की मांग है कि अमेरिका पहले अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाए और ईरान के पास तैनात अमेरिकी सैनिकों को पीछे करे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज को लेकर बातचीत चल रही है।

इसमें समुद्र में जहाजों के लिए रास्ता तय करने जैसे तकनीकी मुद्दों पर चर्चा हो रही है। उन्होंने साफ किया कि यह बातचीत अमेरिका के साथ चल रही बातचीत से अलग है।

कैम्ब्रिज के सबसे कम उम्र के ब्लैक प्रोफेसर की मौत,घर में बेहोश मिले, रिसर्च में नकल के आरोपों के बाद यूनिवर्सिटी से इस्तीफा दिया था

लंदन। इंग्लैंड की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के सबसे कम उम्र के अश्वेत प्रोफेसर रहे जेसन अर्ड का 41 साल की उम्र में निधन हो गया। वे शिक्षा और समाज

लिवरपूल जॉन मर्स यूनिवर्सिटी से पीएचडी की थी। इस दौरान उन्होंने एक रिसर्च रिपोर्ट लिखी थी। बाद में उनकी रिसर्च के कुछ हिस्सों पर आरोप लगे कि उन्होंने

डीईआई यानी डायवर्सिटी, इक्विटी एंड इंकलूजन का मतलब अलग-अलग समुदायों, नस्लों और कम प्रतिनिधित्व वाले लोगों को संस्थानों में बराबर मौक देना



से जुड़े विषयों पर रिसर्च और अध्यापन करते थे। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे उन्हें दक्षिण लंदन के बैटरसी स्थित उनके घर में बेहोश पाया गया। एंबुलेंस टीम ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, उनकी मौत अचानक हुई। अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे मौत का संदिग्ध माना जाए। पुलिस परिवार के संपर्क में है और मामले की जांच कर रही है। मौत से कुछ दिन पहले ही कैम्ब्रिज से दिया था इस्तीफा-जेसन अर्ड ने 5 अगस्त को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से इस्तीफा दिया था। यह फैसला उनकी कुछ रिसर्च को लेकर उठे सवाल के बीच आया था। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने उनकी नियुक्ति और यूनिवर्सिटी में उनके कामकाज की जांच भी शुरू की थी। यूनिवर्सिटी यह पता लगा रही थी कि अर्ड को 2022 में प्रोफेसर की नौकरी कैसे मिली और उनके काम के दौरान क्या हुआ। इस्तीफा देने के बाद अर्ड ने कहा था कि लगातार लग रहे आरोपों और उनके बारे में सार्वजनिक रूप से की जा रही टिप्पणियों का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा। रिसर्च के कुछ हिस्सों पर नकल के आरोप लगे थे-अर्ड ने 2015 में ब्रिटेन की

दूसरे लोगों के लिखे काम को बिना उचित श्रेय दिए अपनी रिसर्च में इस्तेमाल किया। आसान भाषा में कहें तो उन पर रिसर्च में नकल करने का आरोप लगा था। अर्ड ने इन आरोपों को गलत बताया था। इसके बाद उनकी कुछ दूसरी रिसर्च में भी गलतियां होने के आरोप लगाए गए। नियुक्ति पर भी उठे थे सवाल-अर्ड की कैम्ब्रिज में नियुक्ति को लेकर भी विवाद हुआ था। कुछ लोगों ने आरोप लगाया था कि उन्हें उनकी योग्यता के बजाय यूनिवर्सिटी की विविधता बढ़ाने वाली नीति के तहत नौकरी दी गई। इस तरह की नीतियों को आम तौर पर डीईआई कहा जाता है। इसका मतलब है कि अलग-अलग समुदायों और कम प्रतिनिधित्व वाले लोगों को संस्थानों में बराबर मौक दिए जाएं और उनकी भागीदारी बढ़ाई जाए। हालांकि, ब्रिटेन की शिक्षक यूनियन के नेता डैनियल कबेडे ने अर्ड का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि अर्ड को सार्वजनिक रूप से बहुत बुरी तरह निशाना बनाया गया। उन्होंने ब्रिटिश मीडिया और दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के एक वर्ग पर अर्ड के खिलाफ नस्लवादी अभियान चलाने का आरोप लगाया था। डीईआई क्या है और इसे लेकर विवाद क्या है?

और उनकी भागीदारी बढ़ाना है।यूनिवर्सिटीज में डीईआई नीतियों का मकसद ऐसे लोगों की संख्या बढ़ाना है, जिनकी शिक्षा और नौकरियों में लंबे समय से कम भागीदारी रही है। इसके आलोचकों का कहना है कि इससे कभी-कभी योग्यता के बजाय किसी व्यक्ति की पहचान को ज्यादा महत्व मिलने का खतरा रहता है। समर्थकों का तर्क है कि बराबरी के मौके देने के लिए ऐसे कदम जरूरी हैं। परिवार बोला- गलत जानकारी के अभियान ने उन्हें बहुत परेशान किया-अर्ड के परिवार ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया। परिवार ने कहा कि जेसन के बारे में पेंडलैई जा रही गलत जानकारी का उन पर बहुत बुरा असर पड़ा था। परिवार के मुताबिक, अर्ड शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और हमेशा दूसरों में अच्छाई देखने की कोशिश करते थे। परिवार ने मीडिया से अपील की कि अब उन्हें अकेला छोड़ दिया जाए। उन्होंने जेसन और उनके परिवार के खिलाफ लंबे समय से चल रहे उपीड़न को रोकने की भी अपील की। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की प्रमुख डेबोरा प्रिंस ने अर्ड की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में उनकी संवेदनाएं अर्ड के परिवार और दोस्तों के साथ हैं।

इजराइली पीएम नेतन्याहू को हार का खतरा,सर्वे में पूर्व आर्मी चीफ आइजेनकोट से पिछड़े, 2 महीने बाद चुनाव होने हैं

तेल अवीव। इजराइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पूर्व सेना प्रमुख गादी

लिए कम से कम 61 सीटों की जरूरत होती है। सर्वे में नेतन्याहू विरोधी दलों के 'चेज ब्लॉक' को 58 सीटें

बनाने लायक साफ बहुमत नहीं है। आइजेनकोट बोले- सबसे बड़ी पार्टी के नेता को मौका मिलना चाहिए-



नेतन्याहू विरोधी खेमे के विपक्षी नेता याइर लैपिड की पार्टी बीयाचद ने कहा है कि वह विपक्षी सरकार बनने के रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी। लेकिन जब लैपिड से पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी आइजेनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का समर्थन करेगी, तो उन्होंने सीधा जवाब नहीं दिया। बीयाचद में लैपिड दूसरे नंबर के नेता हैं। पार्टी का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के हाथ में है। वह खुद भी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर सामने आते रहे हैं। आइजेनकोट ने इससे पहले कहा था कि अगला प्रधानमंत्री उसी व्यक्ति को होना चाहिए जो नेतन्याहू विरोधी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी का नेता हो। उनका यह बयान 2021

से 2022 तक प्रधानमंत्री रहे नफ्ताली बेनेट के कार्यकाल की ओर भी इशारा करता है। उस समय बेनेट की पार्टी के पास नेसेट में सिर्फ 7 सीटें थीं। इसके बावजूद गठबंधन के जरिए वह प्रधानमंत्री बने थे। इसी वजह से उनके प्रधानमंत्री बनने को लेकर उस समय काफी बहस हुई थी। रिपोर्ट-ईरान इजराइली नेताओं को नुकसान पहुंचा सकता है-चैनल 12 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से इजराइली नेताओं को नुकसान पहुंचाने की कोशिशों के संकेत मिले हैं। पीएम नेतन्याहू के पास सरकारी सुरक्षा है लेकिन आइजेनकोट को फिलहाल सरकारी सुरक्षा का औपचारिक अधिकार नहीं है। इसी वजह से आइजेनकोट की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। उनकी बढ़ती राजनीतिक ताकत के बीच भी उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता सामने आई है।

आधुनिक समाचार

प्रयागराज की प्रकाशित हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI NO:-UPHIN/2015/63398

प्रयागराज से प्रकाशित

"आधुनिक समाचार" आधुनिक भारत की नई आवाज

अंकपत्र, LIC बांड, रजिस्ट्री पेपर, लाइसेंस खो गया, गुमशुदा, नाम, पता, जन्मतिथि परिवर्तन, अन्य कामशियल विज्ञापन उचित दर पर छपवाने के लिए सम्पर्क करें। +91 79914 85344



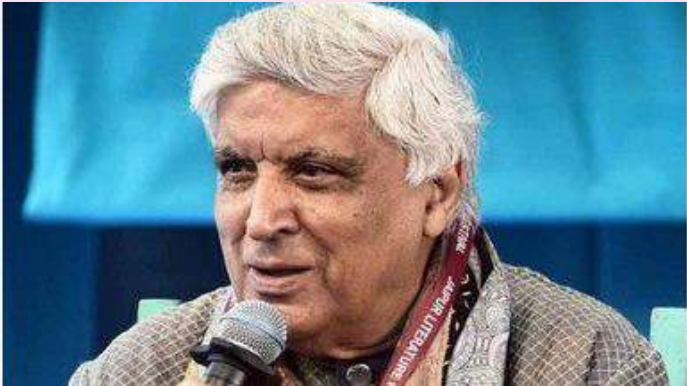
पाक राष्ट्रपति जरदारी बोले- हम यहां हिंदुओं को झेलते हैं,जावेद अख्तर भड़के, कहा- खुद भुट्टो से शादी कर सुखियों में आए

मुंबई। भारतीय डायलॉग राइटर और गीतकार जावेद अख्तर ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति

ने दबे शब्दों में किया ट्रोल-जावेद अख्तर ने अपने बयान में 10 प्रतिशत का जिक्र इसलिए किया,

हुए कहा, 'क्या आपने कभी भारत में अल्पसंख्यकों के लिए अपनी आवाज उठाई है? नहीं।

पाकिस्तान में से नरक चुनूंगा: 17 मई 2025 को मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की किताब 'नरकातला स्वर्ग' के विमोचन पर जावेद अख्तर ने पाकिस्तान को नरक से बदतर बताते हुए तीखा बयान दिया था। उन्होंने कहा था- 'अगर पाकिस्तान और नरक में से चुनना हो तो मैं नरक चुनूंगा।' भारत का विभाजन गलत था, पाकिस्तान हिंदुस्तान से ही निकला: 2023 में लाहौर के फेज फेस्टिवल में जावेद अख्तर ने स्पष्ट कहा कि भारत का विभाजन ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान हिंदुस्तान का हिस्सा था, जो 1947 में दो देशों में बंट गया। अख्तर ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के लोग मूल रूप से एक ही सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े हैं और विभाजन ने अनावश्यक दुश्मनी पैदा की। इस बयान पर पाकिस्तानी दर्शकों ने तालियां बजाईं, लेकिन भारत-पाक मीडिया में विवाद छा गया। पाकिस्तान में सेकुलरिज्म लगभग मर चुका है: भारत-पाक संबंधों



आसिफ अली जरदारी के उस बयान पर भड़क गए, जिसमें उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तान में हिंदुओं को झेलते हैं। जावेद अख्तर ने उनकी आलोचना करते हुए उन्हें संवेदनहीन कहा है। जब कुछ लोग जावेद अख्तर के बयान की निंदा करने लगे, तो उन्होंने एक-एक कर सबको फटकार लगाई है। जरदारी बोले- हम हिंदुओं को झेलते हैं, हम मुस्लिम-जरदारी ने पाकिस्तान में हिंदुओं की स्थिति पर बात करते हुए भारत के हिंदुओं से उनकी तुलना की थी। जरदारी ने कहा, 'भारतीयों का नजरिया अलग है। उनके दिमाग में अपना एजेंडा है। वे अखंड भारत में विश्वास करते हैं। लेकिन बीच में बहुत कुछ ऐसा है, जिसे वे भूल चुके हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम मुसलमान हैं और वे नहीं हैं। लेकिन हम ऐसे सोच वाले मुसलमान हैं, जो पाकिस्तान में 3-4 फीसदी हिंदू आबादी को सहन करते हैं। वे उतने ही आजाद और अच्छे हैं, जितने कहीं और थे। वे उनके साथ रहने के बजाय हमारे साथ रहना पसंद करेंगे।' इस बयान पर जावेद अख्तर ने ऑफिशियल सोशल मीडिया से लिखा है, 'पाकिस्तान के मिस्टर जरदारी, जो बेनजीर भुट्टो से शादी करने के बाद सुखियों में आए थे, कहते हैं कि उनके देश में 3-4 प्रतिशत हिंदू आबादी को वे बर्दाश्त करते हैं। आप झूठा हूँ, मिस्टर जरदारी, आम हमेशा उन सभी चीजों के प्रति असंवेदनशील रहे हैं, जिनका प्रतिशत 10 प्रतिशत से भी कम है।' जावेद अख्तर

क्योंकि जरदारी को मिस्टर टेन पर्सेंट कहा जाता है। पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पति रहे जरदारी को 1980 के दशक के आखिर और 1990 के दशक की शुरुआत में 'मिस्टर टेन पर्सेंट' उपनाम मिला था। उन पर सरकारी

कड़वी सच्चाई यह है कि भारत में जिंदा रहने के लिए हर गैर-हिंदू को हिंदू अभिजात वर्ग की चापलूसी और उन्हें खुश करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उनके खिलाफ तमाम आरोपों के बावजूद जरदारी एक देश के राष्ट्रपति बन गए। फिर भी आप



परियोजनाओं और कारोबारी सौदों के सिलसिले में 10 फीसदी कमीशन मांगने के आरोप लगे थे। जरदारी ने इन आरोपों से इनकार किया था। 1990 में तत्कालीन राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान द्वारा भुट्टो सरकार को बर्खास्त किए जाने के बाद यह उपनाम और ज्यादा चर्चित हुआ। जावेद अख्तर ने ट्रोलर्स को भी लगाई फटकार-एक तरफ जहां जावेद अख्तर के बयान की सराहना हो रही है, वहीं एक पाकिस्तानी यूजर ने सवाल उठाते

भारत में और हर जगह एक शून्य ही हैं और शून्य ही बने रहेंगे, चाहे आप उनके तलवे कितनी भी चाटते रहें। आप बेहद शर्मनाक और घटिया इंसान हैं। जावेद अख्तर ने अपने अंदाज में इसका भी जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'आपका पहला सवाल मुझे बताता है कि आप मेरे बारे में कितना कम जानते हैं। और आपके आखिरी शब्द बताते हैं कि आपकी 'क्लास' क्या है।' जावेद अख्तर ने पहले भी दिए पाक विरोधी बयान-नरक और

पर एक चर्चा में जावेद अख्तर ने पाकिस्तान की सामाजिक स्थिति पर तीखा प्रहार किया। उनका मानना था कि वहां धर्मनिरपेक्षता नाममात्र को रह गई है और कट्टरवाद हावी हो चुका है। पाकिस्तान के कुछ बुद्धिजीवियों ने इसे ओवर-जनरलाइजेशन कहा, लेकिन भारत में ये बयान साहित्यिक सर्कल तक सीमित रहा। जावेद ने उदाहरण देते हुए कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की हालत देखकर साफ है कि सेकुलरिज्म खतरे में है।

बारिश में कपड़ों से आती स्मेल:हो सकती है स्किन एलर्जी, एक्सपर्ट से जानें- बैड स्मेल कैसे भगाएं, कपड़े कैसे रखें फ्रेश

नयी दिल्ली। बारिश के मौसम में कपड़े ठीक से नहीं सूखते हैं। धूप की कमी और हवा में बज्जाद नमी की वजह से कपड़ों से अजीब स्मेल आने लगती है। कई बार अलमारी में रखे कपड़ों से भी सीलन की स्मेल आती है। दरअसल, बारिश के मौसम में बढ़ी हुई नमी बैक्टीरिया और फंगस के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनाती है। ऐसे में अगर कपड़ों को सही तरीके से सुखाया और स्टोर न किया जाए तो उनमें स्मेल और फफूंदी की समस्या बढ़ सकती है। लंबे समय तक ऐसे कपड़े पहनने से फंगल इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बारिश में कपड़ों को फ्रेश रखने के आसान तरीके बताएंगे। साथ ही जानेंगे कि- बारिश में कपड़ों को स्मेल से बचाने के घरेलू उपाय क्या हैं? कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? समझेंगे विषय को एक्सपर्ट: डॉ. विजय सिंहल, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल-जावाब के माध्यम से। सवाल- बारिश में कपड़ों से स्मेल क्यों आने लगती है? जवाब- बरसात में कपड़े देर से सूखते हैं और यही देरी स्मेल की बड़ी वजह बनती है। जब कपड़े लंबे समय तक नम रहते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और फंगस पनपने लगते हैं। नमी और बैक्टीरिया पनपना-गिले या नम कपड़े बैक्टीरिया के लिए अनुकूल माहौल बनाते हैं। ये बैक्टीरिया स्मेल का कारण बनते हैं। फंगस पनपना-हवा में नमी और धूप की कमी से कपड़े अच्छे से नहीं सूखते। इससे कपड़ों में फंगस पनपने लगते हैं। डिटर्जेंट या गंदगी का अवशेष-ठीक से रिसिंग (खंगालना) न करने पर कपड़ों में साबुन/डिटर्जेंट रह जाता है। ये रेजिड्यू (अवशेष) भी

बैक्टीरिया बढ़ाते हैं। इससे स्मेल ज्यादा स्ट्रॉन हो जाती है। देर से सुखाना/वॉशिंग मशीन में छोड़ देना-थुले कपड़े देर तक बाल्टी या मशीन में पड़े रहने से माइक्रोब्स पनपते हैं।इससे भी स्मेल आने लगती है। सवाल- कितनी देर तक कपड़े गीले रहने पर स्मेल आने लगती है? जवाब-



इसका कोई फिक्स टाइम नहीं है। यह कपड़ों में कितनी देर तक नमी बनी हुई है, उस पर निर्भर करता है। आमतौर पर 6-8 घंटे के अंदर कपड़ों से स्मेल आने लगती है। सवाल- कौन से फैब्रिक से ज्यादा स्मेल आती है? जवाब- यह फैब्रिक के केमिकल स्ट्रक्चर और उसकी 'मॉइश्चर होल्ड करने की क्षमता' पर निर्भर करता है। किन फैब्रिक्स से ज्यादा स्मेल आती है-सवाल- क्या गीले कपड़े पहनने से फंगल इन्फेक्शन हो सकता है? जवाब- हां, गीले कपड़े पहनने से स्किन पर लंबे समय तक नमी बनी रहती है। यह फंगस के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनाती है। लगातार गीलापन स्किन की बाहरी प्रोटेक्टिव लेयर को कमजोर कर सकता है। इससे दाद, खुजली समेत कई फंगल इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। गीले या नम कपड़े पहनने से किसी को भी फंगल इन्फेक्शन हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों में इसका रिस्क ज्यादा होता है। सवाल- कपड़ों की स्मेल दूर करने

के असरदार घरेलू उपाय क्या हैं? जवाब- कुछ आसान घरेलू उपायों से इसे काफी हद तक रोका या कम किया जा सकता है। पॉइंटर्स में देखिए- विनेगर का इस्तेमाल,वॉशिंग के दौरान 1 कप व्हाइट विनेगर डालें। यह बैक्टीरिया को खत्म करता है और स्मेल न्यूट्रल करता है।

बेकिंग सोडा-वॉशिंग के दौरान 1-2 चम्मच बेकिंग सोडा डालें। यह स्मेल सोख लेता है। नींबू का रस-1 बाल्टी पानी में 1-2 नींबू का रस मिलाकर कपड़े भिगाएं। यह नेचुरल फ्रेशनर की तरह काम करता है। एंटीसेप्टिक लिक्विड (जैसे डिटॉल) 1 ढक्कन एंटीसेप्टिक लिक्विड रिस में डाल सकते हैं।इससे बैक्टीरिया खत्म करने में मदद मिलती है। अगर किसी कपड़े में सीलन है या खराब स्मेल आ रही है तो उसे परफ्यूम से न छिपाएं। यह बैक्टीरिया / फफूंदी का संकेत हो सकता है। ऐसे कपड़ों को दोबारा अच्छी तरह धोकर, धूप में सुखाने के बाद ही पहनें।सवाल- क्या सिर्फ परफ्यूम डालने से स्मेल खत्म हो जाती है? जवाब- नहीं, परफ्यूम बैक्टीरिया या फंगस को नहीं खत्म करता। कई बार स्मेल और परफ्यूम मिलकर अजीब व हाई स्मेल बना देते हैं। सवाल- धूप न होने पर कपड़े कैसे सुखाएं ताकि स्मेल न आए? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- ऐसी जगह

कपड़े सुखाएं, जहां हवा का फ्लो बना रहे। कपड़े को सूखे तालिये में लपेटें, इससे उसका पानी अच्छाई हो जाएगा। वॉशिंग मशीन में 1-2 बार एक्स्ट्रा स्पिन चलाएं। कपड़ों के बीच गैप रखें। मोटे कपड़े उल्टे करके सुखाएं। नमी हल्की होने पर आयरन करें। सवाल- बारिश में कपड़ों को फ्रेश रखने के लिए रोज क्या करें? जवाब- इसके लिए रोजमर्रा की कुछ आदतें अपनाएं-पूरी तरह सूखने के बाद ही कपड़े अलमारी में रखें। अलमारी में नीम की पत्तियां/कपूर रखें। इससे स्मेल और नमी कम होती है। अलमारी में सिलिका जेल पाउच/अखबार रखें। ये नमी सोखते हैं। डिटर्जेंट जरूरत के मुताबिक ही इस्तेमाल करें। सवाल- क्या वॉशिंग मशीन भी स्मेल की वजह बन सकती है? जवाब- हां, इसके कई कारण हो सकते हैं-अगर मशीन के अंदर नमी बनी रहती है। अगर नियमित सफाई नहीं होती। अगर डिजेंट और गंदगी का रेजिड्यू जमा होता है।

इससे 'सीलन' जैसी स्मेल बनने लगती है। ऐसे माहौल में कपड़े धोने से स्मेल आने लगती है। सवाल- वॉशिंग मशीन की सफाई कितने दिन में करनी चाहिए? जवाब- आमतौर पर वॉशिंग मशीन की डीप क्लीनिंग हर 15-30 दिन में करनी चाहिए। अगर डेली मशीन यूज करते हैं तो हर 2 हफ्ते में साफ करना बेहतर है। इसके अलावा रेगुलर कुछ बेसिक केयर करनी चाहिए, जैसेकि- हर वॉश के बाद डोर/लिड खुला छोड़ें, ताकि नमी सूख जाए। रबर गैस्केट और डिटर्जेंट ट्रे को हफ्ते में 1 बार साफ करें। सवाल- बारिश में कौन-सी गलतियां कपड़ों की स्मेल बढ़ा देती हैं? जवाब- बारिश में कपड़ों की न होने पर कपड़े कैसे सुखाएं ताकि स्मेल न आए? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- ऐसी जगह

मेरी बेटी को लगता है, वो मोटी है-अपनी तुलना सोशल मीडिया वाली लड़कियों से करती है और दुखी होती है, उसे कैसे समझाऊं?

जयपुर। आज के आधुनिक युग में हमारी पीढ़ी हमसे विपरीत सोशल मीडिया से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाती है तो ऐसा होना स्वाभाविक है विषय को और गहराई से समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. अमिता श्रुंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल-जावाब के माध्यम से। सवाल- मैं दिल्ली से हूं। मेरी 14 साल की बेटी है। पिछले कुछ महीनों से मैं नोटिस कर रही हूँ कि वह अपने लुक्स

कि लोग उनके लुक्स को जज कर रहे हैं। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म पर बच्चे हर समय ऐसे चेहरे देखते हैं, जो फिल्टर, मेकअप, एडिटिंग और कैमरा एंगल की मदद से 'परफेक्ट' बनाए जाते हैं। बच्चे असल जिंदगी और सोशल मीडिया के बीच फर्क नहीं कर पाते हैं। टीनएज में बॉडी इमेज को लेकर चिंता के पीछे कई अन्य वजहें भी हैं। सोशल मीडिया

है। वहीं साल 2021 में 'मेटा' की इंटरनल रिसर्च ठीक होने के बाद सामने आया कि इंस्टाग्राम टीनएज लड़कियों की बॉडी इमेज पर नेगेटिव असर डाल रहा है। इस स्टडी में करीब 32फीसदी किशोरियों ने माना कि जब वे अपनी बॉडी को लेकर पहले से परेशान होती थीं, तब इंस्टाग्राम उनकी समस्या और बढ़ा देता था। आइए, अब इस समस्या के समाधान पर बात करते हैं- बेटी की भावनाओं को



और बॉडी को लेकर काफी इनसिक्योर महसूस करने लगी है। कभी वह अपने वजन को लेकर परेशान रहती है, तो कभी अपनी स्किन या हाइट को लेकर। वह अक्सर अपनी तुलना सोशल मीडिया पर दिखने वाली लड़कियों से करती है और कई बार खुद को कमतर महसूस करती है। मुझे उसकी चिंता हो रही है। उसे कैसे समझाऊं कि असली खूबसूरती क्या होती है और उसका आत्मविश्वास कैसे बढ़ाऊं? जवाब-

का बॉडी इमेज पर प्रभाव- टीनएज बॉडी इमेज पर अब तक कई स्टडीज हो चुकी हैं, जो बताती हैं कि सोशल मीडिया और इंटरनेट किशोर लड़कियों के आत्मविश्वास, मेंटल हेल्थ और खुद को देखने के नजरिए को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं।

हल्के में न लें-अक्सर माता-पिता अपनी टीनएज बेटी को समझाने के लिए तुरंत बोल देते हैं- 'तुम बिल्कुल ठीक लगती हो।' 'तुम बेवजह सोच रही हो।' 'इतनी छोटी बात पर परेशान मत हो।' हालांकि ऐसा कहने के पीछे प्यार होता है, लेकिन कई बार बेटी



साल 2023 में 'अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन' (एपीए) की एक स्टडी के

ये सोच सकती है कि उसकी भावनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसलिए सबसे पहले उसकी बात सुनिए। अगर वह कहती है कि उसे अपनी स्किन, वजन या हाइट पसंद नहीं है, तो तुरंत समझाने की बजाय पूछें कि- 'तुम ऐसा क्यों महसूस कर रही हो?' 'क्या किसी ने कुछ कहा है?' 'क्या सोशल मीडिया देखकर ऐसा लगता है?' जब बच्चे अपनी बात खुलकर कह पाते हैं, तो उन्हें भावनात्मक रूप से सुरक्षा का अहसास होता है। सोशल मीडिया की 'परफेक्ट दुनिया' का सच समझाएं-बेटी को बताएं कि सोशल मीडिया पर हर कोई अपनी जिंदगी का 'सबसे अच्छा हिस्सा' दिखाता है। कोई अपनी परेशानियां और इनसिक्योरिटीज नहीं दिखाता। बच्चे यह नहीं समझ पाते कि- ज्यादातर तस्वीरें फिल्टर्ड और एडिट की हुई होती हैं। तस्वीरों में कैमरा एंगल, मेकअप और लाइटिंग बहुत फर्क डालते हैं। सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का सिर्फ 'बेस्ट पार्ट' दिखाते हैं। बेटी से खुलकर इस बारे में बात करें कि- सोशल मीडिया रियल लाइफ नहीं है। हर इंसान अपने आप में खूबसूरत होता है। हर किसी की ग्रोथ अलग स्पीड से होती है। सुंदरता का कोई एक तय पैमाना नहीं होता। व्यक्ति मन से सुंदर होता है। सिर्फ लुक्स की तारीफ न करें-अगर बच्चों को हमेशा सिर्फ 'तुम बहुत सुंदर लग रही हो' जैसे कॉम्प्लिमेंट मिलते हैं, तो वे अपनी पहचान को केवल लुक्स से जोड़ने लगते हैं। बेटी को यह समझाएं कि खूबसूरती सिर्फ चेहरे, रंग या शरीर तक सीमित नहीं होती। असली खूबसूरती में कई चीजें शामिल होती हैं- आत्मविश्वास, व्यवहार,

रहने लगे। सोशल मीडिया के बिना बेचैन महसूस करेंगे। तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। जरूरत पड़े तो चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर की मदद लेना बेहतर है। अंत में यही कहूँ कि आपकी बेटी को इस समय सबसे ज्यादा जरूरत 'परफेक्ट दिखने' की नहीं, बल्कि यह महसूस करने की है कि वह जैसी है, वैसी ही प्यार, सम्मान और स्वीकार्यता की हकदार है। जब पर से उसे भरोसा, भावनात्मक सुरक्षा और बिना शर्त प्यार मिलेगा, तो धीरे-धीरे वह खुद को दूसरों से तुलना करने की बजाय अपनी खुबियों को पहचानना सीख जाएगी। याद रखिए, बच्चों का आत्मविश्वास एक दिन में नहीं बनता। यह रोज की छोटी-छोटी बातचीत, सपोर्ट और स्वीकार्यता से मजबूत होता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कट्रा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNINO.UPHIN/2016/63398
www.adhunikasamachar.com
नोट- इस समाचार पत्र में प्रकाशित सप्त सप्ताहों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीओआरबी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्पत्ति विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।



हैं। यह पॉजिटिव भी हो सकती है और नेगेटिव भी। जब कोई खुद को दूसरों से कम सुंदर या कम आकर्षक समझने लगे तो इसे नेगेटिव बॉडी इमेज कहा जाता है। टीनएज में बॉडी इमेज को लेकर चिंता क्यों होती है? इस फेज में शरीर और भावनाओं दोनों में बदलाव आते हैं। इस दौरान बच्चे खुद को दूसरों की नजर से देखने लगते हैं। उन्हें लगता है

मुताबिक, टीनएज लड़कियां सोशल मीडिया पर जितना ज्यादा समय बिताती हैं, उनमें बॉडी इमेज को लेकर असंतोष उतना ही बढ़ता है। एडिटेड तस्वीरें, ब्यूटी फिल्टर्स और 'परफेक्ट बॉडी' कंटेंट देखने से टीनएजर्स में खुद की तुलना करने की आदत बढ़ती है। इससे एंगजाइटी, लो सेल्फ-एस्टीम और ईटिंग डिसऑर्डर का रिस्क बढ़ता